सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

नंबर एक गेंदबाज बनने की दहलीज पर दीप्ति शर्मा...... -पेजः 7

हर्षाली मल्होत्रा का साउथ सिनेमा में डेब्यू अखंडा 2 में नजर आएंगी.... -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 90 | बुधवार 09 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

9 जुलाई को देशभर में भारत बंद और हड़ताल का ऐलान, 25 करोड़ से ज्यादा कर्मचारी और किसान होंगे शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी): 9 जुलाई, बुधवार को पूरे देश में एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन देखने को मिल सकता है। जहां एक ओर 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनें देशव्यापी हड़ताल पर जा रही हैं, वहीं दूसरी तरफ बिहार में विपक्षी महागठबंधन ने चक्का जाम का आह्वान किया है। करीब 25 करोड़ से ज्यादा कर्मचारियों और ग्रामीण मजदूरों के सड़कों पर उतरने की संभावना है। हड़ताल और विरोध प्रदर्शन का असर बैंकिंग, बीमा, डाक सेवाएं, कोयला खनन, परिवहन, निर्माण और फैक्ट्री सेक्टर तक पड़ेगा, जिससे करोड़ों रुपये के आर्थिक नुकसान की आशंका जताई जा रही है। कौन कर रहा है हड़ताल और क्यों? इस देशव्यापी हड़ताल का आयोजन 10 प्रमुख ट्रेड यूनियनों और उनके सहयोगी संगठनों ने किया है। इन यूनियनों में शामिल हैंः कर्मचारियों के भारत बंद में यूनियनों में एआईटीयूसी एचएमएस सीआईटीयू, आईएनटीयूसी आईएनयूटीयूसी, टीयूसीसी, सेवा, एआईसीसीटीयू, एलपीएफ और

9 जुलाई, बुधवार को पूरे देश में एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन देखने को मिल सकता है। जहां एक ओर 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनें देशव्यापी हड़ताल पर जा रही है

यूटीयूसी शामिल हैं। हालांकि, आरएसएस समर्थित भारतीय मजदूर संघ इस आंदोलन से दूर है। संयुक्त किसान मोर्चा और कृषि श्रमिक संगठनों के एक साझा मंच ने भी इस हड़ताल को समर्थन दिया है, जिससे इसका असर शहरी ही नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत में भी व्यापक हो सकता है। क्या हैं हड़ताल की मुख्य मांगें? प्रदर्शनकारी यूनियनों ने 17 सूत्रीय मांगपत्र सरकार को सौंपा था, जिसमें निम्नलिखित प्रमुख मुद्दे शामिल हैंः -श्रमिक अधिकारों में कटौती के खिलाफ विरोध -नए श्रम कानून (श्रम संहिता) का विरोध, जिनके जरिए यूनियनों का प्रभाव घटाने की कोशिश हो रही है काम के घंटे बढ़ाना और मजदूरी सुरक्षा कम करना -निजीकरण और संविदा प्रणाली को बढ़ावा -सरकारी नौकरियों में नई भर्तियों की मांग -बेहतर वेतन और पेंशन की व्यवस्था -बेरोजगारी की समस्या को गंभीरता से लेना -श्रम सम्मेलन की नियमितता सुनिश्चित करना किन क्षेत्रों पर पड़ेगा सीधा असर? इस हड़ताल की वजह से कई जरूरी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैंः बैंकिंग और बीमा सेवाएं पोस्टल सिस्टम कोयला और खनन क्षेत्र राज्य परिवहन और बस सेवाएं हाईवे निर्माण और निर्माण सेक्टर फैक्ट्रियों और कारखानों में उत्पादन हिंद मजदूर सभा के वरिष्ठ नेता हरभजन सिंह सिद्धू के अनुसार, इस हड़ताल का असर कई राज्यों की सार्वजनिक सेवाओं पर व्यापक रूप से दिखेगा। बिहार में चक्का जामः विपक्ष ने भी मोर्चा खोला -बिहार में हड़ताल के साथ ही राजनीतिक विरोध भी उभर कर सामने आया है। यहां विपक्षी महागठबंधन – जिसमें राजद, कांग्रेस, वाम दल और अन्य क्षेत्रीय पार्टियां शामिल हैं – ने बिहार बंद का ऐलान किया है। -इस आंदोलन का कारण है – चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की प्रक्रिया, जिसे विपक्ष ने 'वोटबंदी' करार दिया है। -कांग्रेस नेता राहुल गांधी खुद पटना में विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। -राजद नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने SIR प्रक्रिया को पक्षपाती बताया है। -पप्पू यादव जैसे जननेता भी इस बंद को समर्थन दे रहे हैं। बंद और हड़ताल से क्या होंगी परेशानियां? -माल ढुलाई और सार्वजनिक परिवहन पर असर पड़ सकता है।

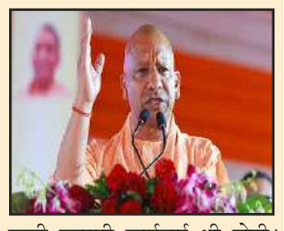

'ऐसी सजा दी जाएगी जो पूरे समाज के लिए एक उदाहरण बनेगी', सीएम योगी का जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा पर पहला बयान

लाखनऊः धर्मांतरण के गंभीर आरोपों में घिरे जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकार ने कड़ी कार्रवाई का संकेत दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि छांगुर बाबा को ऐसी सजा दी जाएगी जो पूरे समाज के लिए एक उदाहरण बनेगी। सीएम योगी का सोशल मीडिया पर बयान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'हमारी सरकार बहन-बेटियों की गरिमा और सुरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी जलालुद्दीन की गतिविधियां सिर्फ समाज विरोधी नहीं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं।' उन्होंने साफ किया कि कानून-व्यवस्था से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और छांगुर बाबा समेत उसके गिरोह से जुड़े सभी अपराधियों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी। साथ ही उन पर

कड़ी कानूनी कार्रवाई भी होगी। बलरामपुर में बुलडोजर की कार्रवाई सीएम योगी की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब बलरामपुर जिले के उतरौला क्षेत्र में जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के घर पर बुलडोजर चला दिया गया। बताया गया है कि उसकी अवैध संपत्तियों पर प्रशासन ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी है। छांगुर बाबा को उत्तर प्रदेश एटीएस (एटीएस) ने धर्मांतरण के एक बड़े मामले में गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ विदेशी फंडिंग से धर्मांतरण कराने, राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने और लगभग 100 करोड़ रुपये के लेन-देन के आरोप लगे हैं।

भाषा विवाद को लेकर निरहुआ का फूटा गुस्सा, कहा- मोदी सरकार में ऐसा नहीं होना चाहिए

महाराष्ट्र (एजेंसी): महाराष्ट्र के मीरारोड इलाके में मराठी भाषा को लेकर शुरू हुए विवाद ने एक बार फिर से राजनीतिक गरमाहट बढ़ा दी है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकताओं ने एक शख्स की कथित तौर पर पिटाई कर दी, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। बताया जा रहा है कि पीड़ित व्यक्ति पर इसलिए हमला किया गया क्योंकि वह मराठी भाषा में बात नहीं कर रहा था। घटना ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। मराठी भाषा को लेकर मुंबई में उत्तर भारतीयों और अन्य राज्यों से आए लोगों पर हो रहे हमलों की लगातार आलोचना हो रही है। इसी बीच मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने अपने कार्यकताओं से हिंसा न करने की

अपील की, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि "अगर कोई नाटक करे तो उसके कान के नीचे बजाओ, लेकिन वीडियो मत बनाओ।" दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' की प्रतिक्रिया बीजेपी के पूर्व सांसद और भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे गंदी राजनीति करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधी अपील की है। उन्होंने कहाः यह गंदी राजनीति है। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव आने वाले हैं, और यह दोनों 'तारा-सितारा' अब बेरोजगार हैं। इनके पास न सांसद हैं, न विधायक। इनका राजनीतिक करियर खत्म हो गया है, इसलिए ये बाहर से आने वाले लोगों पर हमला कर रहे हैं। "मोदी सरकार में ऐसा नहीं होना चाहिए" निरहुआ निरहुआ ने कहा कि ऐसी घटनाओं को तुरंत रोका जाना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में कांग्रेस सरकार के दौरान भी बिहार के छात्रों पर हमले हुए थे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहाः अब मोदी जी की सरकार है। अगर अब भी ऐसे लोगों को नहीं रोका गया तो देश का आम नागरिक भरोसा खो देगा। मोदी जी, देश को आप पर भरोसा है, लेकिन अगर आपकी सरकार में भी ये गुंडागर्दी होती रही तो वो भरोसा भी उठ जाएगा। विवाद गहराता जा रहा हैमहाराष्ट्र में मराठी बनाम गैर-मराठी की राजनीति लंबे समय से गर्म मुद्दा रही है। चुनावी मौसम में यह विवाद और तेज हो जाता है। हालांकि इस बार सोशल मीडिया के जरिए इसका असर देशभर में देखा जा रहा है, जहां विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिक्रिया सामने आ रही हैं।

बिहार सरकार ने किया बड़ा ऐलान, अब सरकारी नौकरियों में महिलाओं को मिलेगा 35 फीसदी आरक्षण

बिहार (एजेंसी): नीतीश कैबिनेट की मंगलवार को हुई बैठक में 43 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिसमें बिहार युवा आयोग का गठन, राज्य की मूल महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण और किसानों के लिए 100 रुपये डीजल सब्सिडी शामिल है। बिहार युवा आयोग' का होगा गठन बिहार के मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने कहा, "आज मंत्रिपरिषद में 43 एजेंडों पर मुहर लगी है, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण एजेंडा युवा आयोग का गठन है। यह आयोग 18-45 वर्ष के युवाओं से संबंधित है, जिसमें एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष और सात सदस्य होंगे।" इससे संबंधित लाभार्थी समूह में राज्य के बाहर काम करने वाले और अध्ययन करने वाले प्रवासी, उच्चतर

माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र, डिग्री पाठ्यक्रम करने वाले छात्र, बेरोजगार युवा, आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्र और युवाओं का कोई भी अन्य समूह शामिल है, जिस पर युवा आयोग हस्तक्षेप करने योग्य समझता है।" सरकारी नौकरियों में महिलाओं को मिलेगा 35 फीसदी आरक्षण कैबिनेट ने राज्य सरकार की सेवाओं में बिहार की मूल निवासी महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण को मंजूरी दी है। सिद्धार्थ ने संवाददाताओं से कहा, "सामान्य प्रशासन से संबंधित दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय यह है कि बिहार राज्य के सभी सरकारी सेवा संवर्गों में सीधी नियुक्ति में सभी पदों पर केवल राज्य की मूल निवासी महिलाओं को ही 35 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया जाएगा।" अनियमित मानसून और सूखे को ध्यान में रखते हुए किसानों के लिए 100 करोड़ रुपये की डीजल सब्सिडी को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा, "यह सब्सिडी धान, मक्का, जौ, तिलहन और जूट की फसलों और मौसमी सब्जी और औषधीय पौधों के लिए लागू होगी।" इसके अलावा कैबिनेट ने दिव्यांगजन नागरिक सेवा प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी, जिसके तहत दिव्यांगों को यूपीएससी और बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा पास करने पर 50 हजार और एक लाख रुपए दिए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव पर टूटा दुखों का पहाड़, पिता दाऊलाल वैष्णव ने जोधपुर एम्स में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाऊलाल वैष्णव का मंगलवार, 8 जुलाई 2025 की सुबह एम्स अस्पताल, जोधपुर में निधन हो गया। वे लंबे समय से सांस लेने में समस्या के चलते एम्स अस्पताल में भर्ती थे। पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत गंभीर होने पर उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। जोधपुर एम्स ने एक मेडिकल बुलेटिन जारी कर बताया कि उन्होंने सुबह 11:52 बजे अंतिम सांस ली। पाली जिले के जीवंत कला गांव के रहने वाले दाऊलाल वैष्णव अपने परिवार के साथ जोधपुर में बस गए थे। उनका निवास स्थान जोधपुर के भास्कर चौराहा के पास महावीर कॉलोनी, रातानाडा में है। दाऊलाल वैष्णव अपने गांव के सरपंच भी रह चुके थे और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते थे। उन्होंने जोधपुर में वकील और कर सलाहकार के रूप में भी लंबा समय

कार्य किया। जोधपुर में किया जाएगा अतिंम संस्कार रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव आज सुबह 10 बजे जोधपुर पहुंचे। वे एयरपोर्ट से सीधे एम्स अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने काफी देर तक मौन धारण कर अपने पिता को श्रद्धांजलि दी। केंद्रीय रेल मंत्री के पिता का अंतिम संस्कार आज जोधपुर में ही किया जाएगा। इसको लेकर परिजनों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया शोक व्यक्त राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रेल मंत्री के पिता के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, "माननीय केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिताजी दाऊलाल वैष्णव जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं परिजनों को संबल प्रदान करें।"

पाकिस्तान के दोस्त की अब खैर नहीं ! भारत और ग्रीस के 'चक्रव्यहू' में कैसे फंसा तुर्किये?

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत ने तुर्किये की नींद उड़ा दी है। खबर है कि भारत ने अपनी खतरनाक लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल (एलआर-एलएसीएम) ग्रीस को देने की पेशकश की है। ये मिसाइल भारत की डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने बनाई है, जिसकी मारक क्षमता 1,500 किलोमीटर तक है। तुर्किये के मीडिया ने इस खबर पर हंगामा मचा दिया है, क्योंकि ग्रीस और तुर्किये के बीच समुद्री सीमा और साइप्रस को लेकर पुराना विवाद है। अगर ग्रीस को ये मिसाइल मिली, तो तुर्किये के अहम ठिकाने, जैसे एयरबेस और रडार सिस्टम इसके निशाने पर आ सकते हैं। तुर्किये के न्यूज चैनल टी.आर. हेबर ने दावा किया है कि भारत ने मई 2025 में एथेंस में हुई डीईएफईए-2025 डिफेंस एक्सपो के दौरान ग्रीस को ये मिसाइल ऑफर की। हालांकि, न तो भारत और न ही ग्रीस ने इस डील पर कोई आधिकारिक बयान दिया है। फिर भी, खामोशी के पीछे गुपचुप

बातचीत की अटकलें तेज हैं। तुर्किये को लगता है कि भारत ये कदम उसकी पाकिस्तान की मदद के जवाब में उठा रहा है, खासकर मई 2025 के भारत-पाकिस्तान टकराव, ऑपरेशन सिंदूर, के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान को ड्रोन और हथियार दिए थे। एलआर-एलएसीएम मिसाइल की क्या-क्या हैं खूबियां? एलआर-एलएसीएम एक सबसोनिक क्रूज मिसाइल है, जो डीआरडीओ के निर्भय मिसाइल प्रोजेक्ट का उन्नत वर्जन है। इसकी सबसे बड़ी खासियत है इसका 1,500 किलोमीटर का रेंज, जिससे ये दुश्मन के इलाके में गहरे ठिकानों को निशाना बना सकती है। ये मिसाइल पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह के हथियार ले जा सकती है। इसका मैनिक टर्बोफैन इंजन इसे रडार से बचने की ताकत देता है, क्योंकि ये जमीन के करीब उड़ान भरती है और जटिल रास्तों से टारगेट तक पहुंचती है। डीईएफईए - 2025 में इस मिसाइल ने ग्रीक अधिकारियों का ध्यान खींचा, जहां इसे अमेरिका की टॉमहॉक और रूस की कैलिबर मिसाइलों से भी बेहतर बताया गया। द वीक की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने अपने दोस्त देशों के साथ इस मिसाइल को मिलकर बनाने की भी पेशकश की, जिससे ग्रीस की दिलचस्पी और बढ़ी। भारतीय नौसेना के 30 जंगी जहाजों पर इसका नौसैनिक वर्जन, जिसका रेंज 1,000 किलोमीटर है, पहले से तैनात है। ये मिसाइल रडार सिस्टम, एयर डिफेंस इंस्टॉलेशन और सैन्य ठिकानों को सटीक निशाना बनाने में माहिर है। भारत-ग्रीस की दोस्ती से तुर्किये की बेचैनी बढ़ी भारत और ग्रीस के बीच सैन्य सहयोग तेजी से बढ़ रहा है। दोनों देश संयुक्त सैन्य अभ्यास और बड़े स्तर पर सैन्य आदान-प्रदान कर रहे हैं। हाल ही में भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने एथेंस का दौरा किया, जहां उन्होंने ग्रीक वायुसेना के साथ राफेल जेट्स के इस्तेमाल पर चर्चा की।

भाषा विवाद पर आरएसएस ने कह दी बड़ी बात, प्रांत प्रचारक बोले- नक्सलवाद पर एक्शन से ही होगी शांति

नई दिल्ली (एजेंसी): महाराष्ट्र समेत विभिन्न राज्यों में भाषा को लेकर मचे घमासान के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा कि उसकी नजर में सभी भाषा, राष्ट्रीय भाषा है। संघ का यह स्पष्ट रुख ऐसे वक्त में है जब तमिलनाडु के बाद अब महाराष्ट्र में हिंदी के विरोध में विपक्षी दल महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) व शिवसेना (उद्धव) ने मोर्चा खोला है। 'प्राथमिक शिक्षा अपनी भाषा में लें' संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि संघ की बहुत पहले से यह भूमिका है कि देश की सारी भाषा राष्ट्रीय भाषा है। और अपनी-अपनी जगहों पर अपनी भाषा में बात करनी चाहिए। प्राथमिक शिक्षा, उसी में लेनी चाहिए। यह बात पहले से स्थापित है। भाषा विवाद? यह विवाद नई शिक्षा नीति (एनईपी) में त्रिसूत्रीय भाषा फामूर्ले से आरंभ हुआ है, जिसमें स्थानीय मातृ भाषा के साथ ही एक देश तथा एक विदेश की भाषा को पाठ्यक्रम में अनिवार्य किया गया है। इसका अधिकतर गैर राजग राज्य सरकारें विरोध कर रही हैं। इसे राजनीतिक मुद्दा बनाया जा रहा है। इस क्रम में महाराष्ट्र में हिंदी भाषियों पर हमले भी शुरू हो गए हैं। प्रतिबंध लगाने की धमकी पर इतिहास दिलाया याद अपने शताब्दी वर्ष में भी प्रतिबंध की धमकी का सामना कर रहे संघ ने पलटवार कर अपने

राजनीतिक आलोचकों को इतिहास का आईना दिखाया है। सुनील आंबेकर ने कहा कि संघ पर पहले भी प्रतिबंध लगाया गया था। मगर कभी कोर्ट, कभी कानून व्यवस्था और कभी आंदोलन के कारण उसे वापस लेना पड़ा था। यह प्रतिबंध कानूनी रूप से वैध नहीं थे। आगे उन्होंने केरल में वामपंथी सरकार के

महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में भाषा को लेकर विवाद चल रहा है। परर ने कहा है कि उसकी नजर में सभी भाषाएँ राष्ट्रीय भाषाएँ हैं। संघ ने नई शिक्षा नीति के भाषा फामूर्ले का विरोध करने वाले राज्यों की आलोचना की।

मंत्रियों द्वारा भारत माता को संघ से जोड़ने पर इतिहास पढ़ने की नसीहत देते हुए कहा कि भारत माता की कल्पना संघ से प्रारंभ नहीं हुई है, बल्कि अपनी परंपरा में हम सभी भारत को एक माता के रूप में देखते आए हैं। शताब्दी वर्ष में क्या करेगा आरएसएस? शताब्दी वर्ष में देशभर में एक लाख तीन हजार 19 स्थानों पर हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। यह निर्णय संघ कार्यालय केशव कुंज में हुई अखिल भारतीय प्रांत प्रचारकों की तीन दिवसीय बैठक में लिया गया है। सुनील आंबेकर ने बताया कि ये हिंदू सम्मेलन मंडल व शहर की बस्तियों में होंगे। इनके आयोजन में समाज का हर वर्ग सहभागी होगा। संघ रचना के अनुसार, पूरे देश में 58,964 मंडल और 44,055 बस्तियां हैं। इसी तरह, खंड और नगर स्तर पर कुल 11,360 सामाजिक सद्भाव बैठक और संगठनात्मक रूप से 924 जिलों में विभिन्न संस्थाओं, पेशे व विषय आधारित गोष्ठियों का आयोजन भी है। इसका उद्देश्य राष्ट्र के विभिन्न मुद्दों पर समग्र दृष्टि तैयार करना है। आंबेकर ने बताया कि गृह संपर्क अभियान में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचा जाएगा। पूर्व में वर्ष 2000 में संघ के 75 वर्ष पूरे होने पर भी गृह संपर्क अभियान चला था। प्रांत प्रचारकों की बैठक : नक्सलवाद के खात्मे की प्रगति पर संतुष्टि उधर, प्रांत प्रचारकों की बैठक में मणिपुर में शांति तथा प्रभावित राज्यों में नक्सलवाद के खात्मे की प्रगति पर संतुष्टि व्यक्त की गई। संबंधित राज्यों के प्रांत प्रचारकों ने इससे संबंधित जानकारी बैठक में साझा की थी।

संपादकीय

विवाद पर संदेह

मई में भारतझपाकिस्तान के दरम्यान हुई झड़पों के बाद फ्रांस निर्मित राफेल जेट विमानों के विषय में संदेह फैलाने के लिए चीन ने अपने दूतावासों को तैनात किया था। फ्रांसीसी सैन्य व खुफिया अधिकारियों द्वारा निकाले गए निष्कर्ष के आधार पर बताया जा रहा है, फ्रांस के प्रमुख लड़ाकू विमान की प्रतिष्ठा व बिक्री को क्षति पहुंचाने का बीजिंग प्रयास कर रहा है। बिक्री को कमजोर करने के पीछे उद्देश्य बताया जा रहा है, कि खरीद का आर्डर देने वाले, खासकर इंड़ोनेशिया इन्हें अधिक न खरीदें। इसके उलट अन्य संभावित खरीदार चीन निर्मित विमान चुनने को प्रोत्साहित हों। राफेल समेत अन्य तमाम हथियारों की बिक्री फ्रांस के रक्षा उद्योग का प्रमुख कारोबार है, जिससे पेरिस के दुनिया भर के देशों से संबंध प्रगाढ़ होते हैं। इसमें चूंकि एशियाई देश भी शामिल हैं, जहां चीन प्रमुख शक्ति बन रहा है। भारत-पाक में हुए संघर्ष के दौरान पड़ोसी मुल्क की वायु सेना द्वारा पांच भारतीय विमानों को मार गिराने का छद्म प्रचार किया गया था, जिनमें तीन राफेल बताए गए। फ्रांसीसी अधिकारियों का कहना है, इससे जिन देशों ने फ्रांसीसी निमार्ता ड़सॉल्ट एविएशन से विमान खरीदे हैं, उनके प्रदर्शन पर प्रश्नचिह्न लग गए हैं। भारत द्वारा लड़ाकू विमान के नुकसान की बात स्वीकारी तो गई, मगर कितने या कितना हुआ, इस पर सेना मौन रही। फ्रांसीसी अधिकारी कह रहे हैं, वे प्रतिष्ठा को बचाने का संघर्ष कर रहे हैं। यह पहला ज्ञात युद्ध नुकसान बताया जा रहा है। सोशल मीड़िया पर वायरल पोस्ट, कथित राफेल मलबा, छेड़छाड़. की गयी तस्वीरें, एआई से बनाये कंटेंट व युद्ध का अनुकरण करने वाले वीड़ियो गेम वगैरह इस अभियान का हिस्सा थे। हालांकि बीजिंग रक्षा मंत्रालय की तरफ से इसे निराधार अफवाह ठहराया गया। उनका कहना है, चीन का सैन्य निर्यात विवेकपूर्ण दृष्टिकोण रखता है तथा क्षेत्रीय, वैश्विक शांति व स्थिरता में रचनात्मक भूमिका निभाई है। अपने दावे की पुष्टि के लिए फ्रांस के सैन्य अधिकारी व शोधकर्ता ब्योरा जुटा रहे हैं। सैन्य हथियारों की खरीद-फरोख्त के पीछे दुनिया भर में बड़ी लॉबी यानी पैरवी काम करती है। सरकारों, निर्णयों व नीतियों को प्रभावित करने वाले ये लोग या संगठन बेहत ताकतवर होने के साथ ही गुप्त रूप से चलाए जाते हैं। सरकार को इस चुनौती को गंभीरता से लेना होगा। क्योंकि सोशल मीड़िया से प्रभावित होने नागरिकों पर काबू करना मुश्किल होता जा रहा है। साथ ही देश की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता मुस्तकबिल बना या बिगाड़.सकता है।

चिंतन-मनन

विवेक ही धर्म है

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गई। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया।समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदाथरे के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव।

इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई। धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उद्देश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरे से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है। बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं।

जीवन की सतह पर जीने वाले व्यक्ति धर्म की गहराई में नहीं उतर सकते, किंतु अध्यात्म के प्रयोक्ता की दृष्टि से वह गहराई छिपी नहीं रह सकती। जो व्यक्ति उतनी गहराई में उतरे, उन्हें धर्म की विकृतियों का बोध हुआ। जो धर्म मन को समाधान देने वाला था, वह स्वयं समस्या बनकर उभर गया। इस दृष्टि से उसमें संशोधन व परिवर्तन की अपेक्षा अनुभव हुई। अणुव्रत उसी आवश्यकता का आविष्कार है। यदि धर्म एक समस्या बनकर सामने नहीं आता तो उसे अणुव्रत के रूप में प्रस्तुति देने का कोई अर्थ ही नहीं था। अणुव्रत धर्म के साथ विवेक की अपरिहार्यता पर बल देता है। आगम की भाषा में विवेक ही धर्म है।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

वन्यजीव संकटः टूटती पारिस्थितिकी की कड़ी!

सोनम लववंशी

हमारे देश में 1 जुलाई से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला 'वन महोत्सव' केवल औपचारिकता बन कर न रह जाए, इसके लिए अब गहराई से चिंतन की आवश्यकता है। इस उत्सव का मूल उद्देश्य वनों की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाना है। क्या एक सप्ताह की सक्रियता हमारे घटते वनों की पीड़ा को शांत कर सकती है? भारत एक समय हराभरा देश था। आज ये हरियाली लगातार सिकुड़ती जा रही है। भारतीय वन सर्वेक्षण 2023 की रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल वन क्षेत्र लगभग 80.73 मिलियन हेक्टेयर है, जो कि भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का मात्र 24.62 प्रतिशत है। यह आंकड़ा सुनने में बड़ा प्रतीत होता है। जब यह ज्ञात होता है कि इसमें से 12 फीसदी से अधिक क्षेत्र केवल स्क्रब, झाड़ियाँ या क्षतिग्रस्त वन भूमि है, तब स्थिति की गंभीरता स्पष्ट हो जाती है। वैश्विक औसत के मुकाबले भारत वन आच्छादन में अब भी पीछे है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, किसी देश का कम से कम 33 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित होना चाहिए। हमारा लक्ष्य अब भी अधूरा है। वन केवल हरियाली नहीं हैं, ये एक जटिल परिस्थकीय तंत्र का हिस्सा हैं। वन पृथ्वी के फेफड़े हैं, जो वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड लेकर हमें प्राणवायु ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। वनों के कारण वर्षा होती है, मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, भूजल स्तर संतुलित रहता है और जैव विविधता संरक्षित होती है। भारत जैसे देश में जहां कृषि मुख्य व्यवसाय है, वहां वनों का विनाश सीधे तौर पर किसान की आजीविका से जुड़ा होता है। वन कटने से मिट्टी का कटाव बढ़ता है। जल स्रोत सूखने लगते हैं। इसका असर खाद्य उत्पादन, पशुपालन और ग्रामीण जीवन की स्थिरता पर गहरा पड़ता है।

आर्थिक विकास के नाम पर सड़कें, रेललाइन, बिजली परियोजनाएं और उद्योग वनों को निगल रहे हैं। पिछले एक दशक में भारत में विकास परियोजनाओं के चलते 14,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र साफ किया गया है। कई बार यह कटाई उस पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर देती है, जिसे बनने में सैकड़ों साल लगे थे। उदाहरण के तौर पर मध्य भारत के जंगलों में पाए जाने वाले बाघ, हाथी, गौर, और अन्य कई प्रजातियों का आवास क्षेत्र सीमित होता जा रहा है। जैव विविधता का यह संकट केवल वन्यजीवों का नहीं, मानव जाति का भी है। बढ़ती वन कटाई और अवैध शिकार का एक दर्दनाक प्रमाण देश में बाघों की लगातार हो रही मौतें हैं। वर्ष 2025 के पहले छह महीनों में ही 107 बाघ अपनी जान गंवा चुके हैं, जिनमें 20 मासूम शावक भी शामिल हैं। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक है और बीते पाँच वर्षों में सबसे भयावह आँकड़ा है।

वर्ष 2021 से अब तक देश में 666 बाघ मृत पाए गए हैं। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सबसे अधिक मौतें दर्ज हुई हैं, जो बताता है कि जंगलों का सिकुड़ता दायरा और मानवीय दखल अब उन प्रजातियों को भी निगल रहा है, जिन्हें हमने कभी ह्यराष्ट्रीय गौरवह्न कहा था। वैसे भी जब एक पारिस्थितिक तंत्र नष्ट होता है, तो उसकी कड़ी में जुड़े सभी अंग प्रभावित होते हैं जिनमें हम भी शामिल हैं। वनों के संरक्षण के लिए सरकारें पौधरोपण अभियान चलाती हैं। प्रश्न यह है कि क्या यह पर्याप्त है? बरसात के मौसम में लगाए गए पौधे जीवित भी रह पाएँ, इसके लिए देखरेख और स्थानीय लोगों की सहभागिता आवश्यक है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगाए गए लगभग 60 प्रतिशत पौधे पहले दो वर्षों में ही सूख जाते हैं या नष्ट हो जाते हैं। इसका कारण केवल जलवायु नहीं है। प्रशासनिक लापरवाही, देखरेख की कमी और जनमानस में स्वामित्व की भावना का अभाव भी इसकी वजहें हैं।

ह्यचिपको आंदोलनह्न की तरह आज फिर से एक जनआंदोलन की जरूरत है। सोशल मीडिया पर पर्यावरण बचाने की बातें करने से आगे बढ़ना होगा। स्थानीय स्तर पर पौधे लगाने, उन्हें संरक्षित करने और जंगलों को बचाने के ठोस प्रयास करने होंगे। वनों का संकट केवल वन विभाग का विषय नहीं है। यह पूरे

समाज का प्रश्न है। वनों को बचाने के लिए नीति निर्धारण में आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। केवल शहरी क्षेत्रों में पौधरोपण कर लेने से पर्यावरण नहीं बचेगा। ग्रामीण और वनवासी क्षेत्रों में मौजूद प्राकृतिक वनों की रक्षा जरूरी है। वनवासी समुदायों का पारंपरिक ज्ञान, जंगल से उनका संबंध, और उनकी जीवनशैली को संरक्षण के केंद्र में लाना होगा। वन महोत्सव का यह सप्ताह महज एक उत्सव नहीं है। यह एक चेतावनी है। समय रहते नहीं चेते तो सांस लेने के लिए हवा भी बाजार में बिकेगी और पानी की एक-एक बूँद के लिए संघर्ष होगा। यह स्वीकार करना होगा कि वन हमारे लिए नहीं, हम वनों के लिए हैं। जब तक यह भाव मन में नहीं आएगा, तब तक कोई भी वन महोत्सव केवल औपचारिक रस्म बनकर रह जाएगा।

जनसंख्या वृद्धि से महंगाई बढ़ेगी

संजय गोस्वामी

जनसंख्या वृद्धि से तात्पर्य किसी विशेष क्षेत्र में व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि से है, और यह हाल के दशकों में दुनिया के सामने सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक रहा है। जैसे-जैसे मानव आबादी बढ़ती जा रही है, भोजन, पानी और ऊर्जा की मांग भी बढ़ती जा रही है। जनसंख्या में यह तीव्र वृद्धि प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव से लेकर पर्यावरणीय क्षरण तक कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है। हम जनसंख्या की घातीय वृद्धि में योगदान करने वाले कारकों, ग्रह पर इस वृद्धि के प्रभावों और इस लगातार बढ़ती समस्या को प्रबंधित करने के लिए आवश्यक समाधानों की खोज करके जनसंख्या वृद्धि पर कुछ निबंधों पर चर्चा करेंगे। सभी के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने के लिए अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि के परिणामों को समझना महत्वपूर्ण है।दुनिया के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं में से एक जनसंख्या की घातीय वृद्धि की समस्या है। यह समस्या सबसे बड़ी है। दुनिया के अधिकांश देशों में जनसंख्या के आंकड़ों में भारी वृद्धि देखी जा रही है। दुनिया के संसाधन सीमित हैं और इसलिए वे एक निश्चित सीमा से ज्यादा आबादी का भरण-पोषण नहीं कर सकते। दुनिया भर में खाद्यान्न की कमी और नौकरियों की कमी की खबरें आती रही हैं। मनुष्यों की संख्या स्थिर दर से बढ़ रही है। दुनिया की आबादी पहले ही छह अरब का आंकड़ा पार कर चुकी है और अगले तीन या चार दशकों में इसके दोगुना होने की उम्मीद है।अगर जनसंख्या इसी दर से बढ़ती रही तो अधिक आबादी वाले देशों की अर्थव्यवस्था जनसंख्या वृद्धि का सामना करने में असमर्थ हो जाएगी। सभी के दरवाजे पर शांति, आराम और कल्याण लाने की हर कोशिश नाकाम हो जाएगी और अगर जनसंख्या को उचित सीमा में नहीं रखा गया तो दुख प्रमुख हो जाएगा। कुछ देशों को छोड़कर, सभी देश जनसंख्या वृद्धि का सामना कर रहे हैं। वर्तमान में, दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश चीन है और भारत दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है। भारत दुनिया की 17% आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। बांग्लादेश, जापान, इंडोनेशिया और यूरोप के कुछ देशों जैसे अन्य देशों में जनसंख्या विस्फोट का खतरा है। वर्तमान में, दुनिया की आबादी खतरनाक दर से बढ़ रही है, जिससे कई चुनौतियाँ पैदा हो रही हैं। अभी तक, वैश्विक जनसंख्या लगभग 7.6 बिलियन है और 2025 तक 8 बिलियन से अधिक होने की उम्मीद है। यह तीव्र वृद्धि पृथ्वी के संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डालती है, क्योंकि ग्रह भोजन, पानी, आवास और नौकरियों की माँगों को पूरा करने के लिए संघर्ष करता है। अधिक जनसंख्या के कारण संसाधनों की कमी, पर्यावरण क्षरण और गरीबी के स्तर में वृद्धि हो सकती है, साथ ही पारिस्थितिकी तंत्र पर भी दबाव पड़ सकता है।उच्च जन्म दर, परिवार नियोजन तक अपर्याप्त पहुँच, प्रवास और गरीबी जैसे कारक इस समस्या में योगदान करते हैं। बढ़ती जनसंख्या के कारण वनों की कटाई, जैव विविधता का ह्रास और प्रदूषण में वृद्धि होती है, जिससे जलवायु परिवर्तन और भी बदतर हो जाता है। इसे संबोधित करने के लिए, राष्ट्रों को परिवार नियोजन, शिक्षा और संधारणीय प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। केवल प्रभावी रणनीतियों को अपनाकर ही हम आने वाली पीढ़ियों और ग्रह के लिए एक स्थिर, स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।जनसंख्या वृद्धि से तात्पर्य किसी निश्चित अवधि में किसी विशिष्ट क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि से है। दुनिया की आबादी खतरनाक दर से बढ़ रही है, जो वर्तमान में 7.6 बिलियन के करीब है, और 2025 तक इसके 8 बिलियन को पार करने की उम्मीद है। यह घातीय वृद्धि ग्रह के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश करती है, क्योंकि पृथ्वी के संसाधन सीमित हैं और लगातार बढ़ती आबादी को अनिश्चित काल तक सहारा नहीं दे सकते।तेजी से बढ़ती जनसंख्या की मुख्य चिंताओं में से एक यह है कि यह प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव डालती है। अधिक जनसंख्या के कारण अधिक खेती, वनों की कटाई और अत्यधिक पानी की खपत होती है, जिससे पर्यावरण का क्षरण होता है। अधिक लोगों को भोजन, पानी और आश्रय की आवश्यकता होने के कारण, भूमि और पारिस्थितिकी तंत्र पर दबाव बढ़ता है, जिससे आवश्यक संसाधनों का ह्रास होता है। इसके अतिरिक्त, बढ़ती आबादी से बढ़ता कचरा और प्रदूषण जलवायु परिवर्तन में योगदान देता है। परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्रह की भविष्य की स्थिरता को खतरा है।जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण मृत्यु दर में कमी और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि है। अतीत में, सीमित स्वास्थ्य सेवा, युद्ध और प्राकृतिक आपदाओं के कारण जन्म और मृत्यु दर अधिक संतुलित थी। हालाँकि, जैसे-जैसे शिक्षा फैली, लोगों में स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूकता आई और उन्होंने बुनियादी बीमारियों को रोकने और उनका इलाज करने का तरीका है। जनसंख्या वृद्धि में योगदान देने वाला एक अन्य कारक अशिक्षा है। जब लोग कम शिक्षित होते हैं, तो वे पुरानी मान्यताओं और अंधविश्वासों का पालन करते हैं, जिससे स्वास्थ्य और जीवन के बारे में गलतफहमियाँ पैदा होती हैं। शिक्षित लोग जन्म नियंत्रण विधियों से अच्छी तरह वाकिफ होते हैं।परिवार नियोजन, कल्याण कार्यक्रम और नीतियों से अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। जनसंख्या में वृद्धि सीमित बुनियादी ढांचे पर बहुत अधिक दबाव डाल रही है और किसी भी देश की प्रगति को नकार रही है।अंधविश्वासी लोग मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों से आते हैं, वे सोचते हैं कि बेटा पैदा करने से उन्हें समृद्धि मिलेगी और इसलिए माता-पिता पर तब तक बच्चे पैदा करने का काफी दबाव होता है जब तक कि बेटा पैदा न हो जाए। इससे भारत, बांग्लादेश जैसे अविकसित देशों में जनसंख्या वृद्धि होती है।गरीबी इसका एक और मुख्य कारण है। गरीब लोगों का मानना है कि परिवार में जितने ज्यादा लोग होंगे, रोटी कमाने वालों की संख्या उतनी ही ज्यादा होगी। इसलिए यह जनसंख्या वृद्धि में योगदान देता है।पड़ोसी देशों से लोगों के लगातार अवैध प्रवास से देशों में जनसंख्या घनत्व में वृद्धि होती है।धार्मिक भावना जनसंख्या विस्फोट का एक और कारण है। कुछ रूढ़िवादी समुदायों का मानना है कि निषेध का कोई भी आदेश या वैधानिक तरीका अपवित्र है।जनसंख्या वृद्धि का लोगों के जीवन स्तर पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। दुनिया भर में अधिक जनसंख्या के कारण मीठे पानी की आपूर्ति की अधिक मांग हो सकती है और यह एक बड़ा मुद्दा बन गया है क्योंकि पृथ्वी पर केवल 3% मीठा पानी है।जनसंख्या की घातीय वृद्धि के कारण पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधन समाप्त हो रहे हैं। इन संसाधनों की भरपाई इतनी आसानी से नहीं की जा सकती। अगर जनसंख्या वृद्धि पर कोई रोक नहीं लगाई गई तो अगले कुछ सालों में एक दिन ऐसा आएगा जब ये प्राकृतिक संसाधन पूरी तरह से खत्म हो जाएँगे।जनसंख्या वृद्धि के कारण जलवायु परिस्थितियों पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। मानवीय गतिविधियाँ वैश्विक तापमान में परिवर्तन के लिए जनसंख्या वृद्धि जिम्मेदार हैं।संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों जैसे अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का उद्देश्य गरीबी को कम करना, स्वास्थ्य सेवा में सुधार करना और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है।

ब्रिक्स में भारत का बढ़ता वर्चस्व संतुलित दुनिया का आधार

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा सत्र में कहा कि पहलगाम में हुआ 'कायरतापूर्ण' आतंकवादी हमला भारत की 'आत्मा, पहचान और गरिमा' पर सीधा हमला है। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका- ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है। ब्रिक्स एक ऐसा बहुपक्षीय मंच है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग, वैश्विक विकास और सामूहिक सुरक्षा की भावना को बल देता है। ब्रिक्स समिट काफी सफल एवं निर्णायक रहा है।

ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है। इन शक्तिसम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये। ब्रिक्स देशों के इस सम्मेलन में एक विशेष बिंदु जो उभरकर सामने आया वह था-अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का बदलता स्वरूप और इसके कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से यह रेखांकित किया कि आतंकवाद अब किसी एक राष्ट्र की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक वैश्विक संकट बन चुका है। उन्होंने कश्मीर में हो रहे आतंकवादी हमलों, पाकिस्तान समर्थित गतिविधियों और भारत की सीमाओं पर हो रही हिंसक घटनाओं को उदाहरण के रूप में सामने रखा। मोदी ने ब्रिक्स मंच से यह भी स्पष्ट किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जब आतंक का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल होता है, तो वह मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाता है।

भारत ने लंबे समय से कॉम्प्रेहेंसिव कॉन्वेंशन ऑन इन्टरनेशनल टेरिजम्स (सीसीआईटी) की पैरवी की है। इस बार ब्रिक्स मंच पर मोदी ने इस प्रस्ताव को फिर से प्रमुखता से उठाया और एक साझा परिभाषा व वैश्विक नीति की मांग की ताकि आतंकवादियों को सुरक्षा और राजनीतिक सहारा न मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी सुझाव दिया कि ब्रिक्स को एक साझा आतंकवाद निरोधी तंत्र बनाना चाहिए, जो सूचनाओं का आदान-प्रदान, निगरानी तंत्र और आतंक के वित्तपोषण को रोकने में सहयोग करे। भारत ने इस बार पाकिस्तान का नाम लिए बिना यह सिद्ध किया कि कश्मीर में आतंकवाद एक स्थानीय असंतोष नहीं, बल्कि बाहरी प्रायोजित आतंक है। ब्रिक्स देशों, विशेषकर रूस और ब्राजील ने इस बात को स्वीकारा कि कश्मीर में फैले आतंकवाद पर चिंता जायज है और उन्होंने भारत के दृष्टिकोण का समर्थन किया। यह कूटनीतिक जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व कौशल को रेखांकित करती है। उन्होंने न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एक नैतिक और व्यावहारिक आधार भी प्रस्तुत किया।

भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करने जा रहा है। यह भारत के लिए भविष्य को गढ़ने का एक सुनहरा अवसर है। भारत अब न केवल आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि ब्रिक्स एक न्यायसंगत, सुरक्षित और आतंकवादमुक्त विश्व के निर्माण की दिशा में कार्य करे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका न केवल आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक स्वरूप में दिखाई दी, बल्कि यह भी स्पष्ट हुआ कि भारत अब एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में उभर चुका है। नरेंद्र मोदी ने जिस सूझबूझ, तर्कशक्ति और साहस के साथ कश्मीर मुद्दे को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया, वह भारत की कूटनीति के नए युग की शुरूआत है। आगामी वर्ष में जब भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा, तब यह विश्वास किया जा सकता है कि न केवल भारत, बल्कि समूचा विश्व भारत की नीति, नैतिक दृष्टि और नेतृत्व क्षमता का सम्मान करेगा। इस मंच से भारत केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि मानवता, शांति और न्याय की नई इबारत लिखेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई उन्होंने कहा कि आज दुनिया को एक बहुध्रुवीय और समावेशी व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरूआत वैश्विक संस्थाओं में बदलाव से करनी होगी। मोदी ने कहा, 'बीसवीं सदी में बनाई गई वैश्विक संस्थाएं इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होती। बीसवीं सदी के टाइपराइटर इक्कीसवीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते। प्रधानमंत्री ने कहा, ग्लोबल साउथ के देश अक्सर डबल स्टैंडर्ड का शिकार रहे हैं। चाहे विकास हो, संसाधनों की बात हो, या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई है। इनके बिना, वैश्विक संस्थाएं ऐसे मोबाइल की तरह हैं, जिसमें सिम कार्ड तो है लेकिन नेटवर्क नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान ज्यादा है, उन्हें फैसले लेने का हक नहीं है। यह सिर्फ प्रतिनिधित्व का नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी सवाल है।

भारत का मानना था कि समान सोच वाले देशों को साथ लेकर चला जा सकता है। आनेवाले समय में ब्रिक्स दुनिया की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने लगेगा। निश्चित ही ब्रिक्स की ताकत से एक वैश्विक संतुलन स्थापित हो रहा है और अमेरिका एवं पश्चिमी देशों के अहंकार एवं दुनिया पर शासन करने की मंशा पर पानी फिरा है। हमारा भविष्य सितारों पर नहीं, जमीन पर निर्भर है, वह हमारा दिलों में छिपा हुआ है, दूसरे शब्दों में कहें तो हमारा कल्याण अन्तरिक्ष की उड़ानों, युद्ध, आतंक एवं शस्त्रों में नहीं, पृथ्वी पर आपसी सहयोग, शांति, सह-जीवन एवं सद्भावना में निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र इसलिये सारी दुनिया को भा रहा है। इसलिये बदलती हुई दुनिया में, बदलते हुए राजनैतिक हालात में सारे देश एक साथ जुड़ना चाहते हैं। ब्रिक्स का संगठन ऐसा सपना है जिसे भारत रत्न स्व. प्रणव मुखर्जी ने भारत के विदेश मन्त्री के तौर पर 2006 में देखा था। प्रणव दा बदलते विश्व शक्ति क्रम में उदीयमान आर्थिक शक्तियों की समुचित व जायज सहभागिता के प्रबल समर्थक थे और पुराने पड़ते राष्ट्रसंघ के आधारभूत ढांचे में रचनात्मक बदलाव भी चाहते थे। इसके साथ ही वह बहुध्रुवीय विश्व के भी जबर्दस्त पक्षधर थे जिससे विश्व का सकल विकास न्यायसंगत एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो सके। अब नरेन्द्र मोदी ने इसमें सराहनीय भूमिका निभाई है। उनके दूरगामी एवं सूझबूझ भरे सुझावों का ब्रिक्स देशों ने लोहा माना है। ब्रिक्स संगठन में भारत का वर्चस्व चीन की तुलना में बढ़ा है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता एवं कूटनीति का परिणाम है।

अमरोहा जिले के अपर जिलाधिकारी राजस्व और न्यायिक ने हरियाली को बढ़ावा देने का दिया संदेश

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अमरोहा जिले में वन महोत्सव का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासन ने वृक्षारोपण अभियान को गति प्रदान करते हुए जन-जन को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (राजस्व) बृजेश कुमार त्रिपाठी और अपर जिला अधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप ने सक्रिय भागीदारी निभाई और आम जनता को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। वन महोत्सव, जो हर वर्ष पर्यावरण संरक्षण के लिए आयोजित किया जाता है, इस बार अमरोहा जिले में विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा। जिला प्रशासन के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी विभागों, स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न स्थानों पर हजारों पौधों का रोपण किया गया, जिसमें नीम, पीपल, बरगद, आम, और अन्य छायादार व फलदार पेड़ शामिल थे। अपर जिलाधिकारी (राजस्व) बृजेश कुमार त्रिपाठी ने इस अवसर पर कहा, "पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं। ये न केवल हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण को संतुलित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वन महोत्सव के माध्यम से हम सभी को यह संदेश देना चाहते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए।" उन्होंने जोर देकर कहा कि वृक्षारोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारी भावी पीढ़ियों के लिए एक जिम्मेदारी है। वहीं, अपर जिला अधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "आज जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याएं विश्व के सामने बड़ी चुनौती बनकर उभरी हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण को स्वच्छ रखता है, बल्कि मिट्टी के कटाव को रोकने और जैव विविधता को बढ़ाने में भी मदद करता है।" उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और अपने आसपास के क्षेत्रों को हरा-भरा बनाने में योगदान दें।

क्षेत्र में दबंगों ने जबरन खेत से तोड़ी तुरई, पीड़ित ने दी तहरीर

खेत स्वामी ने विरोध किया तो दबंगों ने दी जान से मारने की धमकी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- नगर कोतवाली क्षेत्र में दबंगों की दबंगई का मामला सामने आया है जहां गांव निवासी एक युवक ने आरोप लगाया है कि कुछ दबंगों द्वारा उसके खेत से जबरन तुरई तोड़ ली गई जिसका उसने विरोध किया तो दबंगों ने उसे जान से मारने की धमकी दे डाली। पीड़ित खेत स्वामी द्वारा कोतवाली में तहरीर देकर दबंग के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की गई है बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव ख्यालीपुर ढाल का है जहां पर गांव निवासी नानक ने आरोप लगाया है कि कुछ दबंगों द्वारा उसके खेत में जबरन घुसकर तुरई तोड़ ली गई। जब उसने इसका विरोध किया तो दबंगों ने उसे जान से मारने की धमकी दे डाली। पीड़ित नानक का कहना है कि उसने अपने खेत में मेहनत से फसल उगाई थी ,लेकिन दबंगों ने गुंडागर्दी करते हुए उसकी उपजी हुई फसल को नुकसान पहुंचाया है, फिलहाल पीड़ित ने मामले की शिकायत नगर कोतवाली में दर्ज कराकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

शराब के ठेके को बंद करवाने को लेकर महिलाओं व ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव अफजलपुर लूट में गांव की महिलाओं व लोगों ने शराब के ठेके को बंद करने को लेकर जमकर प्रदर्शन किया। सूचना पर पहुंची आबकारी विभाग की टीम ने किसी तरह महिलाओं को समझाकर शांत किया। बता दें कि मंगलवार की दोपहर नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव अफजलपुर लूट की महिलाओं व लोगों ने इकट्ठा होकर गांव में स्थित शराब के ठेके को बंद करवाने के लेकर शराब के ठेके पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना पाकर आबकारी विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई जिसने किसी तरह वह मौजूद ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया। प्रदर्शन के दौरान गांव की महिलाओं ने कहा कि शराब का ठेका यहां से बिल्कुल बंद हो जाना चाहिए क्योंकि गांव एवं आसपास के लोग यहां पर शराब पीकर घर जाते है,औरतों को परेशान करते हैं उनके साथ मारपीट करते हैं जिससे हम सभी महिलाएं पूरी तरह से परेशान है।उधर गांव के लोगों ने कहा कि ठेका खुलने से पहले यहां पर शराब पीने वाले लोगों की भीड़ लग जाती है और देर रात तक यहां लोग शराब पीते हैं। यह कहानी केवल घरेलू महिलाओं की ही नहीं है बल्कि यहां देर रात तक जो लोग शराब पीते हैं वह आने जाने वाले लोगों को भी परेशान करते हैं। इस दौरान वहां पर धवल सिंह, देवेंद्र ,मोनू, राजीव शर्मा, मुजीर हुसैन, मोंटी गोस्वामी, धीरू गोस्वामी, बबली, रोहतास ,कालीचरण ,नरेंद्र गिरी ,जीत सिंह सहित दर्जनों से अधिक लोग एवं महिलाएं शामिल रही।

सम्भल में पंचायत भवनों के बंद रहने से, जनसेवा केंद्र बाले मनमाने पैसे कर रहे है बसूल जनता परेशान

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पंचायत भवनों के बंद रहने से जनसेवा केंद्र वाले मनमाने पैसे कर रहे है बसूल जनता परेशान है। मंगलवार 8 जुलाई , ब्लॉक पंवासा में खामियां ही खामियां नजर आई है,ब्लॉक के पंचायत सहायक अपनी मनमानी कर रहे है। आपको बताते चले कि यह मामला जनपद संभल के पंवासा ब्लॉक के ग्राम पंचायत नगलिया बल्लू का है जहां पंचायत सहायक कर रहे है अपनी मनमानी। नगलिया बल्लू ग्राम पंचायत में तैनात पंचायत सहायक रीनू पाल अपनी मर्जी के अनुसार कार्य करती है। पंचायत सहायक रीनू पाल की शादी लगभग एक साल पहले हो चुकी है फिर भी वह पंचायत सहायक पद पर तैनात है। ग्रामीण उनकी मनमानी से बहुत परेशान हो रहे है। इतनी तेज धूप में भी अपना काम सरलता से होने की उम्मीद लेकर मजरा कादलपुर से लखपत सिंह जो कि दिव्यांग है पैदल चल कर पंचायत भवन पहुंचे लेकिन वहां जाकर देखा तो पंचायत सहायक उपस्थित ही नहीं थी। पंचायत सहायक का जब मन किया कार्यालय खोल लिया जब मन किया बंद कर दिया। पंचायक सहायक को, ग्रामीणों को हो रही परेशानी से कोई लेना देना नहीं है ,चाहे ग्रामीण कितना भी परेशान हो। सूत्रों ने बताया कि रीनू पाल लगभग 11 बजे के बाद आती है और 1 बजे के आसपास चली जाती है कभी कभी आती भी नहीं है। अपने पंचायत भवन में तय समय पर कभी मौजूद नहीं रहती है सभी ग्राम वासियों की उम्मीद उच्च अधिकारियों पर टिकी कही है। यह एक गांव का मामला नही है अधिकांश गांवों का यही हाल है, पंवासा विकास खंड के गांव कैली में भी नहीं खुलता पंचायत भवन,वही नगला खाकम का भी यही हाल है। बर्जन हम भी पंचायत सहायक से परेशान है,कहना ही नहीं मानती है और उल्टा जवाब देती है। उसे ग्रामीणों को हो रही परेशानी से कोई लेना देना नहीं है बस अपनी मनमानी करती रहती हैः मुकेश गोयल ग्राम प्रधान बर्जन सचिव से बात करने पर पता चला कि पंचायत सहायक अपनी मनमानी करती है कहना नहीं मानती है इसी बात से परेशान होकर हमने उसका वेतन रोक दिया हैः उत्कर्ष गुप्ता पंचायत सचिव

युवा जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में बनाए गए राष्ट्रीय लोक दल के सदस्य

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय लोक दल के कैंप कार्यालय पर संगठन के इतिहास में एक प्रेरणादायी क्षण दर्ज हुआ, जब हसनपुर विधानसभा के ग्राम शाहपुर कला, मंगरौला एवं मंगरौली से बड़ी संख्या में जागरूक युवाओं ने राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों व विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। इन नवसदस्यों में अलीमुद्दीन सैफी, रिफाकत मलिक, दिलखुश मलिक, मुस्तकीम सैफी, नाज़िर सैफी समेत कई ऊजार्वान युवाओं के नाम प्रमुख हैं, जिन्होंने विधिवत सदस्यता फॉर्म भरकर और पार्टी का प्रतीकवस्त्र (गमछा) धारण कर रालोद की विचारधारा को अपनाया। इस अवसर पर युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा के जिलाध्यक्ष इरकान अली स्वयं उपस्थित रहे। उन्होंने सभी नवयुवाओं को सदस्यता दिलवाई और संगठन की जिम्मेदारियों से भी परिचित कराया। यह केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नए जोश, उम्मीद और सामाजिक परिवर्तन के संकल्प का प्रतीक था। युवाओं ने जिलाध्यक्ष इरकान अली का फूल मालाओं से स्वागत किया और सम्मानस्वरूप बुके भेंटकर आभार प्रकट किया। इस दौरान इरफान अली ने कहा की यह दृश्य दशार्ता है कि युवा अब केवल देख नहीं रहे, बल्कि परिवर्तन की धारा में सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार हैं। राष्ट्रीय लोकदल केवल एक पार्टी नहीं, एक जनांदोलन है – किसानों, मजदूरों, अल्पसंख्यकों, युवाओं और हाशिए के लोगों की आवाज है। जब युवा इससे जुड़ते हैं, तो वे सिर्फ सदस्य नहीं बनते, वे समाज बदलाव की मशाल उठाते हैं।" यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि गांव-गांव, गली-गली में रालोद की जड़ें और गहरी हो रही हैं। जिस प्रकार युवाओं का समर्थन मिल रहा है, वह आने वाले समय में संगठन की ताकत और जनाधार को और मजबूत करेंगे।

एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- ब्लॉक के ज्ञान भारती इण्टर कॉलेज में 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया।इस अवसर पर विधालय के प्रधानाध्यापक ने अधिक से अधिक वृक्षारोपण का आवाहन करते हुए वृक्षारोपण के महत्व को विस्तार से बताया। बता दें कि मंगलवार को नगर स्थित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ज्ञान भारती इंटर कॉलेज गजरौला द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। जिसमें प्रधानाचार्य गोस्वामी जी ने अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आवाह्न किया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रभाष कुमार ने वृक्षारोपण के महत्व के विषय पर विस्तार से स्वयंसेवकों को बताया साथ ही वैश्विक तपन की समस्या से छुटकारा पाने में पेड़- पौधों की कितनी महत्वपूर्ण भूमिका है,इस पर चर्चा की।इस अवसर पर वहां कविता शर्मा, इंद्रपाल सिंह,उमेश कुमार और मुकेश कुमार सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं विधालय के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

बाइक के सामने कुत्ता आने से अनियंत्रित होकर गिरी बाइक इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत

मृतक युवक की छः माह पहले ही हुई थी शादी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- बाइक के सामने कुत्ता आने से अनियंत्रित होकर फिसल गई बाइक पर दो लोग सवार थे एक घायल तथा दूसरे की इलाज के दौरान मौत हो गई है। जनपद सम्भल के थाना बहजोई मोहल्ला पच्चीसा कॉलोनी निवासी वसीम पुत्र इस्लाम (22) आरिफ पुत्र एजाज ये दोनों लोग सोमवार शाम लगभग 3 बजे अपने घर से चंदौसी के लिए निकले थे अपने काम के पैसे ठेकेदार से लेने जा रहे थे। तभी अचानक बहजोई से चंदौसी रोड शकुंतला देवी रिसोर्ट के करीब बाइक के आगे एक कुत्ता आ गया जिससे बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई और दोनों लोग सड़क पर गिर गए। जिसमें वसीम के सर में चोट लग गई और आरिफ को मामूली चोट आई आरिफ ने घर फोन कर के घटना की जानकारी दी तो परिजन मौके पर पहुंचे और वसीम को बहजोई में किसी डॉ, के पास लेकर पहुंचे वहां डॉ, द्वारा बताया गया हालत गंभीर है मृतक के भाई इस्माइल ने बताया कि हम लोग अपने भाई को लेकर निजी अस्पताल चंदौसी पहुंच गए वहां डॉ,ने इलाज शुरू कर दिया सुबह लगभग 3 बजे वसीम की हालत बिगड़ने लगी डॉ,ने बताया अब इनको कही और ले जाओ परिजन वसीम को लेकर मुरादाबाद के लिए निकले रस्ते में वसीम ने दम तोड दिया परिजन वसीम के शव को लेकर अपने घर वापस आ गए घर आने पर परिवार के लोगों में कोहराम मच गया बताया जा रहा है मृतक युवक की 6 माह पहले शादी हुई थी दिल्ली में रहकर राजमिस्त्री का काम करता था मृतक युवक अभी कुछ समय पहले ही अपने घर बहजोई आया था।

सचिव की लापरवाही के चलते सरकारी धन का किया जा रहा है दुरपयोग

मक्के के भुट्टो से भर दिया ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र जिम्मेदार बेखबर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान को संबंधित द्वारा लगाया जा रहा है पलीता। सरकार द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र का निर्माण कराया गया ,इसका सचिव व प्रधानों को इसका मतलब ही नहीं पता है अगर पता होता तब बह सरकार की इस योजना का दुरपयोग नही करते बल्कि सदुपयोग करते। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का तात्पर्य है कि घरों, उधोग, कृषि और चिकित्सा सुविधाओं से उत्पन्न ठोस अपशिष्टों के व्यवस्थित संग्रह उपचार और निपटान से है, प्रदूषण को कम करने, बीमारियों को रोकने और पर्यावरण स्वच्छता बनाए रखने के लिए उचित प्रबंधन आवश्यक होना चाहिए इसी के चलते सरकार ने यह ठोस कदम उठाए परन्तु सचिव की लापरवाही के चलते सरकारी धन का किया जा रहा है दुरपयोग। पूरा मामला पंवासा विकास खंड के गांवों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र या तो निजी कार्य में इस्तेमाल किए जा रहे है,या कुछ अधर में लटके पड़े हैं, पंवासा विकास खंड के गांव नगला खाकम गांव में अधुरे बने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र में ग्रामीणों ने मक्के के भुट्टे ही भर दिये,कैली गांव में मोटरसाइकिल स्टेंड से लेकर बडे बच्चे और नौनिहाल बच्चे आराम फरमाते है,यही हालत बहजोई विकास खंड के गांव वहां पुर का हाल है। सैकड़ों की तादाद में बने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र कर रहे है कूड़े का इंतजार, सचिव और प्रधान ने इनको बनवाकर प्रमाण दे दिया और अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लिया। आखिर उच्च अधिकारियों के संज्ञान में ऐसे मामले क्यों नहीं आते।

चंदौसी नगरपालिका ने मनाया विभाग का 162वाँ जन्मदिन

चंदौसी /सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- मंगलवार को नगर पालिका परिषद चंदौसी का 162 वा स्थापना दिवस नगर के बहेडे वाला ताल के समीप स्थाई गौशाला में हरा चारा, गुड़ पशु आहार खिलाकर एवं गौशाला परिसर में वृक्षारोपण करके श्रीमती लता वार्ष्णेय जी अध्यक्ष नगर पालिका चन्दौसी सम्मानित सभासद गण व समस्त अधिकारी/कर्मचारियों की उपस्थिति में मनाया गया। इस मौके पर पालिकाध्यक्ष ने कहा पालिका का आज 162 वा स्थापना दिवस है और इस बार स्थापना दिवस गौसेवा एवं वृक्षारोपण करके मनाया जा रहा है। इस मौके पर सभासदगणों में तरुण कुमार नीरज, नवकांत देव, अमन कोरी, शिव कुमार सैनी, सचिन रस्तोगी, मोहित दिवाकर, किशन प्रजापति, गौरव वार्ष्णेय (रिंकू) पालिका से सफाई एवं खाद्य निरीक्षक श्रीमती प्रियंका सिंह, सुनील कुमार, आर आई ऋषभ कुमार, जेई अनुज कुमार, प्रभाकर गुप्ता, रविन्द्र कुमार, अवनेश गुप्ता, चंद्रमोहन, लवित वार्ष्णेय, मुकुल शर्मा, अर्पित श्रीवास्तव, संजय यादव, प्रमोद कुमार, नरेश कुमार, राजकुमार आदि पालिका कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कृषि बीज भण्डार पर मिल रहा है निः शुल्क मिलेट्स बीज के मिनिकिट

कांधला, शामली (सब का सपना):- सहायक विकास अधिकारी कृषि जयदेव कुमार ने बीज भण्डार पर उपलब्ध कृषि निवेश की उपलब्धता की जानकारी दी। इस सम्बन्ध मे बताया कि खंड विकास परिसर कांधला मे स्थित कृषि बीज भण्डार पर किसानो को मोटे आनाज (मिलेट्स) ज्वार, सांवा, रागी, बाजरा और उर्द, मुंग व तिल के बीज मिनिकिट निशुल्क वितरण करने के लिए प्राप्त हुये है जो किसान उक्त फसलो की बुवाई करना चाहते है वह किसान स्वम बीज भण्डार पर आकर पोस मशीन मे अंगुठा लगाकर निशुल्क बीज मिनिकिट प्राप्त कर सकता है। मिनिकिट पहले आओ पहले पाओ के आधार पर वितरित किए जा रहे है। इसके अतिरिक्त अरहर, उर्द व मुंग का बीज सामान्य एट सोर्स सब्सिडी के माध्यम से वितरण किया जा रहा है। मृदा सुधार के लिए जिप्सम भी उपलब्ध है व जिप्सम को भी एट सोर्स सब्सिडी के माध्यम से पोस मशीन के द्वारा किसानो को वितरित किया जायेगा। इसके अलावा हाइब्रिड मक्का बीज 50% अनुदान पर उपलब्ध है। सहायक विकास अधिकारी कृषि जयदेव कुमार ने ग्राम नाला के किसान रजनीश, ग्राम रामपुर खेडी से जयपाल, ग्राम किवाना से विशेष मलिक को उर्द बीज के निशुल्क मिनिकिट भी वितरित कराये। अधिक जानकारी के लिए बीज भण्डार प्रभारी अल्ताफ अली, दुरभाष नम्बर 82185 44387 पर वार्ता कर सकते है। इस अवसर पर बीटीएम तेजपाल सिंह, प्रदीप, विश्वास, वर्षा आदि मौजूद रहे।

क्षेत्र पंचायत गजरौला की बैठक आयोजन 11/07/2025 को होना सुनिश्चित

ब्लॉक सभागार में ब्लॉक प्रमुख की अध्यक्षता में होगा बैठक आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र पंचायत गजरौला की क्षेत्र पंचायत की बैठक का आयोजन दिनांक 11/07/2025 दिन शुक्रवार पूर्वा 11 बजे होना सुनिश्चित हुआ है। जिसको ब्लॉक प्रमुख की अध्यक्षता में विकासखंड के सभागार में संपन्न कराया जाएगा। जिसमें समस्त क्षेत्र पंचायत सदस्यों एवं ग्राम प्रधानों एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। क्षेत्र पंचायत की इस बैठक में कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं को एजेंडा बनाकर चर्चा की जाएगी जो निम्न प्रकार है 1-गत बैठक की कार्रवाई की पुष्टि 2-मनरेगा योजना पर विचार व अनुमोदन 3-पंचम राज्य वित्त/15 केंद्रीय वित्त योजना अनुमोदन 4-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बाबा साहब अंबेडकर प्रोत्साहन योजना पर विचार 5-प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण पर विचार 6- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना पर विचार 7-संपूर्ण स्वच्छता अभियान पर विचार 8-पेयजल पर विचार 9-समस्त प्रकार की पेंशन योजनाओं पर विचार 10-कृषि विज्ञान की योजनाओं पर विचार 11-सहकारिता विभाग की योजना पर विचार 12-लघु सिंचाई विभाग की योजना पर विचार 13-स्वास्थ्य विभाग की योजना पर विचार 14-शिक्षा विभाग की योजना पर विचार 15-विद्युत नलकूप नहर विभाग की योजना परविचार 16-पशुपालन विभाग की योजनाओं पर विचार इसके अलावा बैठक ब्लॉक प्रमुख की अनुमति से अन्य विषयों पर विचार किया जाएगा।

गांव में शांति के लिए चामुंडा माता मंदिर पर हवन का आयोजन...

धनारी/संभल(सब का सपना):- तहसील गुन्नौर के थाना धनारी गांव खलीलपुर में स्थित चामुंडा माता रानी के मंदिर में आज गांव में शांति और सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से एक विशेष हवन का आयोजन किया गया। इस पुनीत कार्य में समस्त ग्राम वासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आचार्य योगेश शर्मा के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन कुंड में आहुतियां डाली गईं। हवन के समापन के उपरांत उपस्थित सभी भक्तों और ग्राम वासियों के बीच प्रसाद का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर रामौतार शर्मा, प्रदीप गुप्ता, चंदवीर, ऋषिपाल, वीरपाल, रामकुमार, दिनेश शर्मा, नेक सिंह, सौरभ, दीपक शर्मा, हुक्म सिंह, मुन्नीलाल, ओमप्रकाश शर्मा, आसाराम सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और ग्रामीण उपस्थित रहे।

600 ग्राम अवैध गांजे के साथ आरोपी युवक गिरफ्तार

हापुड़(सब का सपना):- थाना नगर पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है जिसके कब्जे से अवैध गांजा बरामद किया गया है। हापुड़ नगर थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि अपराध की रोकथाम एवं अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना हापुड नगर पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान एक अभियुक्त सबील उर्फ समीर पुत्र शकील निवासी मौ० नवी करीम थाना हापुड़ नगर जनपद हापुड़ को मीनाक्षी रोड़ पुराना सिनेमा हॉल के पास से गिरफ्तार किया गया है, जिसके कब्जे से 600 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है।

वृहद वृक्षारोपण महा अभियान 2025 की तैयारियों को लेकर नोडल अधिकारी ने की बैठक

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने के लिए शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी/आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग उत्तर प्रदेश श्री राजेश कुमार ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी संजय चौहान, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक, मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर वृक्षारोपण महा अभियान 2025 की तैयारियों की समीक्षा किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी रणवीर मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष शासन द्वारा जनपद अमेठी को 4550100 पौधे रोपित करने का लक्ष्य दिया गया है जिसमें 20 लाख पौधे वन विभाग तथा 2550100 पौधे अन्य विभागों क्रमशः पर्यावरण विभाग को 305000, ग्राम्य विकास विभाग को 1203600, राजस्व विभाग को 52000, पंचायती राज विभाग को 75000, उद्योग विभाग को 26400, नगर विकास विभाग को 21900, लोक निर्माण विभाग को 11900, सिंचाई विभाग को 60000, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति को 7200, कृषि विभाग को 414380, रेलवे विभाग को 15000, रक्षा विभाग को 50000, पशुपालन विभाग को 19000, सहकारिता विभाग को 7000, विद्युत विभाग को 10020, बेसिक शिक्षा विभाग को 50000, माध्यमिक शिक्षा को 12500, प्राविधिक शिक्षा को 5500, उच्च शिक्षा विभाग को 17300, श्रम विभाग को 9000, स्वास्थ्य विभाग को 14000, परिवहन विभाग को 1100, उद्यान विभाग को 155000 तथा पुलिस विभाग को 7200 पौधे रोपित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है। उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण महा अभियान को लेकर हमारी तैयारियां पूरी हैं सभी विभागों द्वारा अपने लक्ष्य के सापेक्ष गड्ढों की खुदाई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है जनपद में वन विभाग की 28 पौधशालाएं हैं जिनमें विभिन्न प्रजातियों के 62.41 लाख पौधे उपलब्ध हैं उद्यान विभाग द्वारा अपनी पौधशाला से ही पौधारोपण कराया जाएगा। विभागों द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष पौधशालाओं से पौध उठान का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण महा अभियान के अंतर्गत मुख्य कार्यक्रम विकासखंड सिंहपुर के रतवलिया मंझार वन भूमि पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण महा अभियान के अंतर्गत गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी विशिष्ट वनों की स्थापना कराई जाएगी जिसमें अटल वन, एकता वन, ऑक्सी वन, गोपाल वन, त्रिवेणी वन, शौर्य वन, पवित्र धारा वन शामिल होंगे इसके लिए भूमि का चयन किया जा चुका है। बैठक में नोडल अधिकारी ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान के दौरान जो पेड़ लगाए जाएं उनका संरक्षण भी बहुत जरूरी है इसके लिए संभव हो तो ट्री गार्ड भी लगाया जाए तथा उन पेड़ों को नियमित रूप से पानी व खाद भी दी जाए जिससे पेड़ सूखने ना पाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि गत वर्षो में जो भी पौधरोपण हुए हैं उनका भी संरक्षण जरूरी है सिर्फ पौधों को लगाने से ही नहीं अपितु उनका संरक्षण भी आवश्यक है। उन्होंने इसके लिए जन सामान्य को भी जागरूक करने को कहा वृक्षारोपण अभियान में जन भागीदारी भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही जन सामान्य को अनावश्यक पेड़ो को ना काटने के संबंध में भी जागरूक करने को कहा। नोडल अधिकारी ने बैठक में कहा कि जो भी पेड़ लगाए जाएं सुनियोजित तरीके से लगाएं और समय-समय पर उनकी देखरेख की जाए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण पुण्य का कार्य है इस कार्य में स्वतः ही लोगों को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए, वृक्षारोपण केवल सरकार का कार्य नहीं अपितु इससे जन सामान्य को भी जोड़ा जाए लोगों को जागरूक किया जाए आप सभी इस महा अभियान में पूर्ण मनोयोग से अपनी अपनी भागीदारी निभाएं और वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाएं। उन्होंने गौशालाओं में भी बृहद स्तर पर पेड़ लगाने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने नोडल अधिकारी को आश्वस्त करते हुए कहा कि आपके द्वारा जो भी निर्देश दिए गए हैं उनका संबंधित अधिकारियों से अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करते हुए वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनपद में इंडस्ट्रीज के द्वारा वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कराया जा रहा है। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता, प्रभागीय वनाधिकारी रणवीर मिश्र, डीसी मनरेगा शेर बहादुर, डीपीआर मनोज त्यागी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गजरौला में पुराने विवाद के चलते युवक पर किया हमला, घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली में पुराने विवाद के चलते कुछ दबंग लोगों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें वह बुरी तरह से घायल हो गया। घायल युवक ने नगर कोतवाली में दबंगों के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली के मोहल्ला विजयनगर का है। जहां पर बिजनौर निवासी राहुल कुमार पुत्र ब्रह्मपाल सिंह मोहल्ला निवासी अपने दोस्त के यहां उसके घर पर आया था।मंगलवार को वह यहां से अपना काम निपटाने के बाद अपने घर जा रहा था। रास्ते में जाते समय नगर निवासी दिव्यांशु ने अपने साथियों संग मिलकर राहुल पर जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें वह बुरी तरह से घायल हो गया। घटना के समय शोर शराबा होते देख मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई।वहां मौजूद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह मामला पुराने विवाद का बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में सुनी जनता की समस्याएं

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- जिलाधिकारी संजय चौहान ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में आमजन की समस्याएं सुनीं। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उत्तर प्रदेश की शिक्षा मंत्री गुलाब देवी की गाड़ी का एक्सीडेंट, बाल-बाल बचीं

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- मंगलवार को उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा मंत्री और चंदौसी विधानसभा की विधायक गुलाब देवी मंगलवार को एक सड़क हादसे में बाल-बाल बच गईं। वह दिल्ली से अमरोहा जा रही थीं कि छिजारसी टोल प्लाजा के पास उनकी गाड़ी आगे चल रही एक कार से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आगे चल रही एक गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगा दिया जिससे मंत्री के सुरक्षा वाहन को रुकना पड़ा। मंत्री की गाड़ी का ड्राइवर समय रहते ब्रेक नहीं लगा पाया और वाहन सामने से टकरा गया। टक्कर के चलते मंत्री गुलाब देवी को मामूली चोटें आईं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। मंत्री को तुरंत पिलखुवा स्थित रामा अस्पताल ले जाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। पिलखुवा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक पटनीश कुमार ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि फिलहाल मंत्री की स्थिति स्थिर और खतरे से बाहर है। इस घटना के बाद से प्रशासन सतर्क है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। गनीमत रही कि हादसा गंभीर नहीं था, वरना बड़ा नुकसान हो सकता था।

एक आरोपी को चोरी की छः मोटर साईकिलों के साथ पुलिस ने किया गिरफ्तार

सम्भल(सब का सपना):- मिली जानकारी के अनुसार एक आरोपी को चोरी की 6 मोटरसाइकिलों के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आपको बता दें कि मुनासिब पुत्र आकिल निवासी ग्राम भैसौंडा थाना असमोली जनपद सम्भल ने थाने पर आकर लिखित तहरीर दी थी कि 4 जुलाई को समय करीब शाम 4.00 बजे वह अपनी मोटर साइकिल स्पेलेन्डर जिसका न0 UP38 Y5548 से जानवरो के लिये चारा लेने गया था जो अपनी मोटर साइकिल को माया देवी कालिज के सामने अपने खेत पर खडी करके चारा काटने लगा तभी नौशाद पुत्र बहीद निवासी ग्राम-ढाक शहीद थाना असमोली जनपद सम्भल आया और मोटर साइकिल का लॉक तोडकर मोटर साइकिल को चुराकर भाग गया। जिसको वादी द्वारा भागते हुये पहचान लिया गया। वादी की लिखित तहरीर के आधार पर 6 जुलाई को थाना असमोली पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। आरोपी नौशाद पुत्र बहीद को मालपुर पाकबाडा रोड पर ग्राम मालपुर से करीब सडक पुख्ता पर पडी झोपडी से 1मोटर साईकिल व अभियुक्त की निशान देही पर अब्दुल रहमान के बन्द पडे भट्टे की कोठरी से 5 चोरी की मोटर साईकिल बरामद कर गिरफ्तार किया गया है अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

दुर्भाग्य की बात,जब व्यक्ति को सब कुछ मिल जाता है तो भगवान को भूल जाता है:- पंडित छवि नाथ दुबे

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम शेखुपुर झकड़ी में लालचंद महाराज द्वारा स्थापित स्वामी रामप्रसाद उदासीन समाधि ट्रस्ट के मुख्य प्रबंधक महामंडलेश्वर स्वामी कपिल मुनि महाराज द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं श्री राम कथा दैनिक यज्ञ के आठवें दिन बनारस से आए कथा के व्यास पंडित छवि नाथ दुबे ने एक प्रसंग के माध्यम से हनुमान जी की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि जिस व्यक्ति पर हनुमान जी की कृपा होती है उस पर भगवान शिव, पार्वती, भगवान राम और लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न सभी देवी देवता कृपा करते हैं। यदि आपके घर में भगवान की पूजा नियमित रूप से की जाती है तो हनुमान आपके दरवाजे के प्रहरी बनकर आपकी रक्षा करते हैं। सुग्रीव भगवान राम एवं लक्ष्मण को देखकर भयभीत थे लेकिन हनुमान जी की कृपा से श्री राम से मित्रता करके राजा बन जाते हैं। लेकिन दुर्भाग्य की बात है जब व्यक्ति को सब कुछ मिल जाता है तो भगवान के कार्य को भूल जाता है। हनुमान जी ने समुद्र लांघकर लंका में पहुंचकर सीता जी का पता लगाया एवं सीता जी से मिलकर सकुशल वापसी का भरोसा दिलाते हैं। लक्ष्मण के शक्ति लगने पर सुषेण वैद्य एवं संजीवनी बूटी लाकर उनके प्राणों की रक्षा करने का काम किया ग्रंथों में ये भी कहा गया है कि जहां विधि विधान से रामकथा होती है वहां पर हनुमान जी स्वयं कथा सुनने पहुंच जाते हैं। श्री दूबे जी ने आगे कहा कि श्री राम चरित मानस हमें परिवार मे सन्मार्ग पर चलने एवं राम भक्ति से जुड़े रहने की शिक्षा देने का कार्य करती है। जिसका अनुसरण करके परिवारों में एवं धरती पर स्वर्ग का वातावरण बनाया जा सकता है। इस अवसर पर संगीत टोली ने बीच बीच में वाद्य यंत्रों के साथ धार्मिक भजन एवं गीत संगीत के माध्यम से बातावरण को भक्ति मय बना दिया। कथा के अंत में भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा, भारतीय किसान संघ जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा, रॉबिन त्यागी महिपाल सिंह चौ, आश्रम परिवार से महंत राजेंद्र मुनि महाराज, केशव मुनि, प्रवेश मुनि, स्वामी प्रभा मुनि, कृष्ण मुनि, ब्रह्मचारी मुनि, कमलेश मुनि, समय सिंह, उमेश चंद्र, सर्वेश ठाकुर, रोहताश सिंह, विजय सिंह, रामसरन सिंह,रक्षपाल सिंह, जोगेंद्र सिंह, दीपक महंत, देवराज सिंह, आदि अनेकों संत महंत एवं भारी संख्या में क्षेत्र वासी भक्त गण मौजूद रहे।

कितने साल तक आरोपी को जेल में रखा जा सकता है? हाईकोर्ट ने दिल्ली दंगा मामले में पुलिस से पूछा सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली दंगा मामले से जुड़े बड़ी साजिश के मामले में आरोपित तस्लीम अहमद की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से पूछा कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों को पांच साल हो चुके हैं। ऐसे में किसी आरोपित को कितने समय तक जेल में रखा जा सकता है? अदालत ने आरोपित की तरफ से मुकदमे में देरी के आधार पर दलीलें दिए जाने के बाद यह सवाल पूछा गया। आरोपित ने कहा कि मामले में कई अन्य आरोपितों को देरी के आधार पर 2021 में जमानत दी गई, लेकिन अब पांच साल बीत चुके हैं और आरोपित को 24 जून, 2020 को गिरफ्तार किया गया था। मामले में आगे की सुनवाई बुधवार को भी जारी रहेगी

चोरी के डीजल के साथ दो शातिर चोरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी तिलोई दिनेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में मंगलवार को थाना मोहनगंज पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर मारूती कार एस एक्स 4 संख्या एचआर 51 एम 4340 सवार 02 अभियुक्तों को घेर कर हिकमतअमली से पकड़ लिया गया । नाम पता पूछने पर एक ने अपना नाम चन्द्रेश श्रीवास्तव पुत्र रमेश चन्द्र श्रीवास्तव नि0 तिवारीपुर मठिया मजरे कुड़वार थाना कुड़वार जनपद सुलतानपुर व दूसरे ने अपना नाम सूरज रैदास पुत्र स्व0 ननकऊ नि0 ग्राम पिण्डारा महराज थाना मुसाफिरखाना जनपद अमेठी उम्र करीब 20 वर्ष बताया। अभियुक्त सूरज रैदास के कब्जे से 01 तमंचा व 01 जिन्दा कारतूस 12 बोर बरामद हुआ । मारूती कार एस एक्स 4 संख्या एचआर 51 एम 4340 की तलाशी से कार की डिग्गी से 02 पिपिया में कुल 55 लीटर डीजल, 01 अदद प्लास्टिक की पाइप बरामद हुई । गिरफ्तार अभियुक्तों से बरामद डीजल व पाइप के संबन्ध में पूछने पर बताया कि हम लोग अपने दो अन्य साथी 1.अक्षय पुत्र बलराम यादव व 2. नीलू पुत्र जगदीश यादव निवासीगण पैड़ी मजरा पनियार थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी के साथ मिलकर रात में हाइवे के किनारे खड़े ट्रकों से डीजल चोरी करके बेंच देते हैं। रात को हम चारो लोग शंकरगंज बाजार के पास गिट्टी मोरंग की दुकान पर खड़ी ट्रक से करीब 150 लीटर डीजल चुरा लिया था और इसी कार से लेकर चले गये थे, जिसमें से करीब 95 लीटर डीजल अक्षय व नीलू ने बेंच लिया है, जिसकी बिक्री के रुपए उन्ही लोगों के पास हैं । खबर लिखे जाने तक गिरफ्तारी व बरामदगी के संबन्ध में थाना मोहनगंज द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही थी।

कांग्रेस की सरकारें रहीं तब- तब विकास रुका और भ्रष्टाचार बढ़ा:- डा. सन्देश यादव

हापुड़ (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ भाजपा नेता संदेश यादव ने सुभाष विहार कॉलोनी स्थित अपने आवास पर प्रेस वार्ता में कहा देश व प्रदेशो में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व देश के ओजस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेजी से 11 वर्षों में विकास किया जा रहा है भाजपा के पदाधिकारी देश प्रदेशों में आमजन की जन समस्याओं को लेकर जनसंपर्क किया करते हैं आम लोगों की जन समस्याओं को हल कर घर-घर भाजपा की नीति पहुंचाई जाती हैं भाजपा नेता डॉ सन्देश यादव ने कहा जब- जब केंद्र व प्रदेशो में कांग्रेस की सरकारें रहीं तब- तब विकास रुका और भ्रष्टाचार बढ़ा। इसके बाद जब भाजपा की सरकार केंद्र व राज्य में है तब से न केवल तेजी से विकास हो रहा है बल्कि किसानों, महिलाओं, छात्रों का सीधे- सीधे ख्याल रखा जा रहा है। भाजपा नेता संदेश यादव ने कहा कांग्रेस व अन्य दलों ने मतदाताओं के बीच छलावा कर किस प्रकार से पिछले 70 सालों में कांग्रेस की सरकार ने देश को गर्त में ले जाने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों के कार्यकाल में देश में प्रदेशों में अनगिनत योजनाएं हैं कि जिन्हें बताने के लिए तीन दिन भी कम पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अभी भी क्षेत्र पिछड़ने का कारण बने हुए हैं जहां विपरीत धारा का प्रतिनिधि चुना जा रहा है। सावन के महीने में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार व हिमाचल प्रदेश में धामी सरकार शिव भक्तों की यात्रा को सुगमतापूर्वक करने के लिए सड़कों का निर्माण किया शिव भक्त की सेवा के लिए भाजपा के सरकार विशेष योजनाएं बनाकर कॉवड यात्रा व कावड़ियों की सुरक्षा प्रदान करती है !

बारिश से मिल सकता है सुकून; दिल्ली-एनसीआर में येलो अलर्ट

नई दिल्ली। सोमवार को लगी सावन की झड़ी थमते ही आज (मंगलवार) को फिर राजधानी में उमस भरी गर्मी परेशान कर रही है। हालांकि, आज भी हल्की से मध्यम वर्षा होने की आशंका है, यलो अलर्ट भी जारी किया गया है, लेकिन पक्का कुछ नहीं कह सकते। पूवार्नुमान दिन भर बादल छाए रहने, गर्जन वाले बादल बनने एवं बिजली चमकने का भी है। अधिकतम तापमान सामान्य से कम ही रहेगा। दिन में तीखी धूप भी खिली रह सकती है। मंगलवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 27.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। वहीं मौसम की मेहरबानी से वायु गुणवत्ता लगातार अच्छी ही बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, मंगलवार सुबह 9 बजे दिल्ली का एक्यूआई 81 दर्ज किया गया। इसे संतोषजनक श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों का एक्यूआई भी कहीं संतोषजनक तो कहीं मध्यम श्रेणी में बना हुआ है। मौसम की मेहरबानी से हाल फिलहाल इसमें वृद्धि होने की संभावना भी नहीं लग रही।

खलिहान और खेल मैदान पर कब्जे की शिकायत, रोकने गए ग्रामीण के घायल होने का आरोप-

अमेठी(सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- जहाँ एक ओर प्रदेश सरकार द्वारा अवैध कब्जों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है, वहीं जनपद अमेठी के भेंटुआ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत गैरिकपुर के परशुरामपुर गांव में खलिहान (गाटा संख्या 84) एवं खेल मैदान (गाटा संख्या 81) पर कब्जे को लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई है। गांव के ही निवासी आनंद तिवारी पुत्र सूर्यभान तिवारी ने आरोप लगाया है कि जब उन्होंने उक्त भूमि पर हो रहे निर्माण कार्य पर आपत्ति जताई, तो कुछ लोगों द्वारा उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया गया, जिससे उन्हें एवं पवन विकास को चोटें आईं। इस संबंध में पीड़ित पक्ष द्वारा थाना पीपरपुर में तहरीर दी गई है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इस भूमि को लेकर पहले भी शिकायत की गई थी, जिस पर राजस्व विभाग की टीम द्वारा स्थलीय निरीक्षण कर भूमि चिन्हांकन किया गया था। ग्रामीणों के अनुसार निरीक्षण के दौरान उक्त भूमि पर अतिक्रमण की स्थिति पाई गई थी और धारा 122बी के अंतर्गत कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई थी। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि उक्त मामले में 29 मई 2025 को राजस्व निरीक्षक रामाज्ञा यादव, लेखपाल पंकज गुप्ता और पुलिस बल की उपस्थिति में पुनः निरीक्षण हुआ था, जिसमें कथित अतिक्रमण की पुष्टि हुई और संबंधित व्यक्तियों को मौखिक व लिखित निर्देश भी दिए गए थे। हालाँकि, ग्रामीणों का आरोप है कि उसके बाद भी निर्माण कार्य जारी रहा, जिससे नाराज होकर लोगों ने डायल 112 पर सूचना दी। साथ ही, ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाई है, जिससे वे असंतुष्ट हैं। कुछ ग्रामीणों ने यह आशंका भी व्यक्त की है कि मामले में संबंधित कर्मचारियों की भूमिका निष्पक्ष नहीं रही, और उन्होंने जिलाधिकारी अमेठी से निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं होती, तो वे मुख्यमंत्री कार्यालय तक अपनी शिकायत पहुँचाने को बाध्य होंगे।

रातभर जलता रहा एलपीजी गैस का चूल्हा, ऑक्सीजन कम होने से घुटा था दम; तीन लोगों की हुई थी मौत

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणपुरी में शनिवार को हुई एसी मैकेनिकों की मौत रातभर एलपीजी गैस चूल्हा जलने की वजह से दम घुटने के कारण हुई थी। पुलिस जब सुबह कमरे में दाखिल हुई तो वहां रखा एलपीजी गैस चूल्हा जलता हुआ मिला था। ऐसे में फोरेंसिक टीम का मानना है कि कमरे में वेंटिलेशन न होने के कारण चूल्हे में जल रही आग ने कमरे में आक्सीजन की कमी कर दी। जिस कारण से वहां सो रहे चारों का दम घुट गया। हादसे में तीन मैकेनिकों इमरान, मोहसिन, कपिल की मौत हो गई, जबकि चौथा हसीब अभी एम्स ट्रामा सेंटर में उपचाराधीन है। स्वजन के अनुसार उसकी हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। पुलिस के अनुसार दक्षिणपुरी के जिस 25 गज के कमरे में चारों रहते थे, उसमें वेंटिलेशन का कोई इंतजाम नहीं था। कमरे का दरवाजा तोड़ कर जब पुलिस अंदर दाखिल हुई तो कमरे में एलपीही गैस की भी तेज दुर्गंध आ रही थी और चूल्हा जल रहा था। हवा की निकासी सही तरीके से नहीं हो सकी एफएसएल टीम के अनुसार रातभर चूल्हा जलने और हवा की निकासी नहीं होने के कारण धीरे-धीरे कमरे में आक्सीजन की मात्रा कम हो गई और कमरे में कार्बन मोनो आक्साइड़ गैस बनी, जिसकी चपेट में आने से चारों बेसुध हो गए और उनका दम घुट गया, जिससे तीन की मौत हो गई। वहीं एम्स में दाखिल हसीब के भाई अयूब ने बताया कि हसीब की हालत में सुधार हो रहा है। हालांकि अभी वो होश में नहीं आया है। डाक्टरों का कहना है कि रिकवरी होने में अभी थोड़ा टाइम लगेगा। वहीं हसीब के ठीक होने पर पुलिस भी उसका बयान दर्ज करेगी, ताकि घटना से पहले कमरे में क्या हुआ, उसके बारे में जानकारी मिल सके। बता दें कि शनिवार को हादसे का शिकार हुए चारों युवक मूलरूप से बरेली, उत्तर प्रदेश के गांव तिलियापुर बंडिया के रहने वाले थे।

सुमेरपुर ब्लॉक के ग्राम कुम्हूपुर में मनरेगा कार्य में बड़ा फजीर्वाड़ा

सुमेरपुर,हमीरपुर। बीते कुछ दिनों से सुमेरपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में मनरेगा योजना मे मजदूरो की फर्जी तरीके से ऑनलाइन डिमांड लगाकर मनरेगा योजना के अंतर्गत मजदूरी करते ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराई जा रही है। और उनकी फोटो ग्राफी कर अपलोड की जा रही हैं इतना ही नहीं जिओ टैग लोकेश पर मजदूरों की फोटो की फोटो खींच कर फजीर्वाड़ा किया जा रहा है और ब्लाक के जिम्मेदारों के द्वारा मनरेगा के धन को ठिकाने लगाया जा रहा है । सुमेरपुर ब्लॉक के ग्राम कुम्हूपुर में 8 जुलाई मंगलवार को नाला खुदाई/सिल्डसफाई/डोह निर्माण कार्य में 247 मजदूरों की डिमांड दिखाई गई इसके पूर्व सोमवार को 288 मजदूरों की डिमांड दिखाई गई इस तरह से फोटो की फोटो खींच जियो टैग लोकेश पर अपलोड कर ब्लाक के ग्राम पंचायत में फजीर्वाड़ा किया जा रहा है और योजना को पलीता लगाया जा रहा है। परन्तु मनरेगा माफियाओ ने ब्लॉक के अधिकारियों से लेकर जिले के उच्चाधिकारियो व कर्मचारियों की सांठगांठ से मजदूरो को मौके में कार्य करते दिखाया गया। जिसमे कही नाला खुदाई तो कही सफाई कार्य दिखाया गया है। विकासखंड सुमेरपुर, क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम कुम्हूपुर में दो कार्य नाला खुदाई/सिल्डसफाई/डोह निर्माण कार्य दिखाया गया है। जिसमे मंगलवार 247 और इसके पहले सोमवार को 288 मजदूरो को कार्य करते दिखाया गया है। जिसमे ऑनलाइन उपस्थिति में भारी हेरा फेरी करते हुए एक ही फोटो को फोटो की फोटो काटकर भिन्न भिन्न मस्टर रोल में अपलोड करते फर्जी उपस्थिति दिखाते सरकारी धनराशि लूटने की योजना के तहत कार्य किया गया है। हालांकि भ्रष्टाचार की पूर्व में भी पुष्टि हो चुकी है। जिसमे जिलाधिकारी ने मुकदमा दर्ज करने का प्रस्ताव भी दिया था, परन्तु उच्च अधिकारियो की मिलीभगत से जिलाधिकारी के आदेशो को ठेंगा दिखाते भ्रष्टाचार के खेल को अंजाम दिया जा रहा है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत आशा कार्यकत्रियों व एएनएम को किया गया जागरूक

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- एसपी अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर मंगलवार को मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं छात्राओं में नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलंबन की भावना को सशक्त करने हेतु महिला सहायता चौकी थाना जामो पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी शैलेन्द्र कुमार सिंह द्वारा थाना क्षेत्र की आशा कार्यकत्रियों एवं एएनएम के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें महिला संबंधित अपराधों, साइबर क्राइम एवं उनसे बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। संवाद कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को विभिन्न सरकारी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई जिसमें 1090 वीमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन112पुलिस आपातकालीन सेवा तथा 1098 चाइल्ड लाइन शामिल हैं। साथ ही थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क, महिला कल्याण संबंधी शासन की योजनाएं, ऑनलाइन पोर्टल और शिकायतों को गोपनीय तरीके से दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को शासन द्वारा संचालित महिला सशक्तिकरण योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने, अपने अधिकारों को जानने और किसी भी संकट की स्थिति में निर्भीक होकर सहायता प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया गया।

दिल्ली में डबल मर्डर से सनसनी: एक महिला और बच्ची की हत्या, युवती का दोस्त मौके से फरार

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली के सिविल लाइन थाना इलाके में दोहरे हत्याकांड की वारदात को अंजाम दिया गया है। करीब 22 साल की युवती और उसकी सहेली की बेटी की घर में ही हत्या कर दी गई है। आसपास के लोगों को जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। मिली जानकारी के मुताबिक, सिविल लाइन थाना पुलिस फॉरेंसिक टीम और क्राइम टीम मौके पर मौजूद है। युवती का दोस्त मौके से फरार बताया जा रहा है। इस पर हत्या का शक जताया जा रहा है। दिल्ली में नाबालिग को मारी गोली वहीं दूसरी तरफ आदर्श नगर इलाके में सोमवार रात तीन हमलावरों ने 17 साल के नाबालिग को गोली मार दी। नाबालिग की पहचान एमसीडी कालोनी निवासी आर्यन के रूप में हुई है। उसे दो गोली लगी है और उसका सिविल लाइन्स स्थित ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है। शुरूआती जांच में आपसी रंजिश में गोली मारने की बात सामने आई है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि सोमवार रात 10.14 बजे आदर्श नगर थाना पुलिस को सिविल लाइन्स स्थित ट्रॉमा सेंटर से एक नाबालिग को गोली मारे जाने की जानकारी मिली। अस्पताल पहुंची पुलिस को पता चला कि 17 साल के आर्यन को दो गोली मारी गई है। अस्पताल में मौजूद उसकी मां नीतू ने बताया कि वह एमसीडी कॉलोनी में रहते हैं। रात में वह अपने बेटे आर्यन, परिचित रंजीता और निखिल के साथ एमसीडी कॉलोनी के मुख्य गेट फुट ओवर ब्रिज के पास फुटपाथ पर खड़ी थीं। सभी घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान जहांगीरपुरी के रहने वाले तीन लड़के लड्डू, शमशेर और शानू वहां आए और ताबड़तोड़ गोली चला दी। आर्यन को दो गोली लगी। वह तुरंत उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। आर्यन की हालत नाजुक बनी हुई है।

ट्रेन के एसी कोच में यात्रियों के बैग चुराने वाले गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस के हत्थे चढ़े 4 शातिर; खुले कई बड़े राज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की रेलवे यूनिट ने ट्रेनों और रेलवे परिसरों में सक्रिय बैग चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से यात्रियों के चोरी किए गए 16 बैग बरामद किए गए हैं। आरोपित ट्रेन की एसी कोच में यात्रियों के बैग चोरी करते थे। आरोपितों की पहचान अमित कुमार, करन कुमार, गौरव और पुनित महतो के रूप में हुई है। चारों ही आरोपित बिहार के बेगुसराय और वैशाली के रहने वाले हैं। आरोपित वारदात को अंजाम देने बिहार से दिल्ली आते थे। यहां रेलवे स्टेशन के आसपास होटल में कमरा लेकर चोरी का सामान इकट्ठा करते थे। बाद में कीमती सामान के साथ वापस बिहार भाग जाते थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपित 100 से अधिक वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। पकड़ा गया गौरव 2019 में इसी तरह के एक मामले में भगोड़ा घोषित है। वहीं अमित व करण के खिलाफ एक-एक और पुनित के खिलाफ पहले से पांच मामले दर्ज हैं। गिरोह के बाकी सदस्यों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। रेलवे पुलिस उपायुक्त केपीएस मल्होत्रा के मुताबिक, तीन जुलाई को माता वेष्णों देवी कटरा एक्सप्रेस में ए-1 कोच से पांच बैग चोरी होने की सूचना नई दिल्ली रेलवे स्टेशन थाना पुलिस को मिली थी। पुलिस ने शिकायत लेकर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थाना प्रभारी विश्वनाथ पासवान ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल आरोपितों की पहचान की। उनकी तलाश करते हुए टीम पहाड़गंज के होटल क्रिस्टल पहुंच गई। वहां छापेमारी के बाद टीम ने अमित, गौरव व करन को दबोच लिया। इनके पास से अलग-अलग तरह के कुल 12 बैग व दो मोबाइल और 47 हजार कैश बरामद हुए। चौथे आरोपित को आनंद विहार रेलवे स्टेशन से दबोच लिया गया। आरोपित पुनित के पास से पुलिस ने चार बैग बरामद किए। पुनित के खिलाफ बिहार, राजस्थान और दिल्ली समेत कई राज्यों में इसी तरह चोरी के मामले दर्ज थे। पुलिस ने इनके पास से चोरी के चार बैग और बरामद किए। बिहार से वारदात को अंजाम देने आते थे दिल्ली पूछताछ में पता चला कि आरोपित बिहार से ट्रेन में सवार होकर दिल्ली आते थे। ट्रेन के एसी कोच इनके निशाने पर रहते थे। तड़के जब लोग गहरी नींद में होते थे यह बैग चोरी कर लेते थे। सीसीटीवी कैमरों से बचने के लिए काले व नीले बैग ही चोरी किए जाते थे। बाद में यह रेलवे स्टेशन के मेन गेट से न निकलकर पीछे वाले गेट से निकलकर पास के होटल पहुंचते थे। वहां खुद को कपड़ा कारोबारी बताकर माल लाने ले जाने के बारे में होटल वालों को बताते थे। बार-बार नए बैग लेकर आने पर होटल वाले भी इन पर शक नहीं करते थे।

महिला ने कावड़ पर थूकने का लगाया आरोप, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। सावन का महीना शुरु होने वाला है भगवान शिव के भक्त कावड़ लेकर चलते हैं लेकिन काफी समय से कावड़ यात्रा को लेकर विवाद हो रहे हैं। कई बार कावड़ियों का उग्र व्यव्हार लोगों के लिए परेशानी का सबब बनता है। यात्रा के दौरान कई अप्रिय घटनाओं के होने का संदेह होता है इसलिए सरकार कावड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम करती है। मुजफ्फरनगर के पुरकाजी कस्बे में एक महिला श्रद्धालु की कांवड़ पर थूकने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह कथित घटना सोमवार की है जब महिला हरिद्वार से गंगा जल लेकर घर लौट रही थी और पुरकाजी में आराम करने रुकी थी। तो उसके कावड़ पर कथित रुप से आरोपी ने थूक दिया। इसके बाद वहां कुछ लोग एकत्र हो गए पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मामला शांत करवाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के परिवार ने दावा किया कि उनका बेटा मूक-बधिर है और मानसिक रूप से अस्वस्थ है। महिला तीर्थयात्री को यात्रा फिर से शुरू करने के लिए हरिद्वार से लाया गया एक नई कांवड़ उपलब्ध कराई गई। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और कांवड़ यात्रा के दौरान शांति बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शूटर हिमांशु सूद गिरफ्तार, पंजाब पुलिस की स्पेशल टीम की कार्रवाई

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग की टारगेट किलिंग की साजिश को नाकाम कर शूटर हिमांशु सूद को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर की टीम ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर हिमांशु सूद को गिरफ्तार किया है। हिमांशु कपूरथला जिले के फगवाड़ा का निवासी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि हिमांशु, दुबई में बैठे लॉरेंस बिश्नोई के करीबी नामित शर्मा के निर्देशों पर काम कर रहा था। हाल ही में हिमांशु और उसके साथियों ने शर्मा के कहने पर हरिद्वार में एक होटल कारोबारी पर गोली चलाई थी। शूटर हिमांशु को मध्य प्रदेश में एक और पंजाब के कपूरथला में दूसरे व्यक्ति की हत्या करने का टारगेट दिया गया था। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने शूटर सूद के पास से दो पिस्तौल (.30 बोर की पीएक्स3 पिस्टल के साथ चार जिंदा कारतूस और एक .32 बोर की पिस्टल के साथ तीन जिंदा कारतूस) और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। अब मामले में थाना स्पेशल सेल (एसएसओसी) अमृतसर में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अब इस गैंग के अन्य सदस्यों की पहचान करने और उनके नेटवर्क की जांच कर रही है। डीजीपी यादव ने कहा कि पंजाब पुलिस संगठित अपराध को खत्म करने और राज्य में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। लॉरेंस बिश्नोई जैसे अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क से जुड़े गैंगस्टरों के खिलाफ उनका अभियान जारी रहेगा।

नाबालिग का अपहरण कर ट्रेन में किया दुष्कर्म, स्टेशन पर लड़की को छोड़कर भागा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में पुलिस ने नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने ने बताया कि इस युवक ने लड़की का अहपरण कर अकोला ले जाते हुए ट्रेन में उसके साथ दुष्कर्म किया। लड़की डोंबिवली इलाके के मनपाड़ा में आदिवली की रहने वाली है। जीआरपी के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने बताया कि 20 साल के आरोपी ने 30 जून को लड़की को ट्रेन से अकोला ले गया और रास्ते में उसके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि अकोला में रहने वाले युवक के माता-पिता ने उसे और लड़की को अपने घर के अंदर नहीं आने दिया, इसके बाद वह उसे अकोला रेलवे स्टेशन पर छोड़कर घर चला गया। अकोला जीआरपी ने लड़की को स्टेशन पर देखा तो उससे पूछताछ की, जिसके बाद उसने उन्हें अपराध के बारे में बताया। जीआरपी ने जीरो एफआईआर दर्ज की और मामले को स्थानांतरित कर दिया। पुलिस ने बताया कि कल्याण जीआरपी ने रविवार को युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपी युवक की तलाश कर रही है।

कंगना रनौत पर प्रतिभा सिंह का पलटवार, बोलीं :अपनी जिम्मेदारी नहीं समझती भाजपा सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के दौरान भाजपा सांसद कंगना रनौत के बयान पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि यह दुखद और खेदजनक स्थिति है। मैं भी सांसद रही हूं। मुझे पता है कि भारत सरकार हमें कितना पैसा आवंटित करती है, जो लोगों में बांटा जाता है और यह राहत कार्यों के लिए होता है। चाहे वह कोई आपदा हो या कोई अन्य समस्या, सांसद निधि का उपयोग उसी उद्देश्य के लिए किया जाता है। प्रतिभा सिंह ने कहा कि मुझे समझ नहीं आया कि यह सब कहते समय उनके मन में क्या था। आज, खासकर मंडी के लोग इस बात का अफसोस कर रहे हैं कि हमने बहुत बड़ी गलती कर दी। बादल फटने और अचानक आई बाढ़ से मंडी संसदीय क्षेत्र में तबाही मचने के कुछ दिन बाद भाजपा सांसद ने रविवार को क्षेत्र का दौरा किया और राहत कार्य में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस सरकार पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा था कि राहत और पुनर्बहाली कार्य राज्य सरकार की जिम्मेदारी है तथा एक सांसद केवल प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को स्थिति से अवगत करा सकता है एवं केंद्रीय सहायता का अनुरोध कर सकता है। पलटवार करते हुए सिंह ने कहा, ''मंडी राज्य का सबसे बड़ा संसदीय क्षेत्र है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिमाचल के दो-तिहाई क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली सांसद कह रही हैं कि उनके पास कोई फंड, एजेंसियां ??या कैबिनेट नहीं है।'' सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''ऐसे बयानों से पता चलता है कि कंगना अपने काम को गंभीरता से नहीं ले रही हैं।'' उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद अपनी जिम्मेदारी नहीं समझती हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद का अपमान, कांग्रेस की संकीर्ण, जातिवादी और संविधान विरोधी सोच को दिखाता : गौरव भाटिया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अपने बयान पर माफी मांगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने देश की प्रथम महिला आदिवासी राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद के लिए आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं, यह दलित और आदिवासी समुदायों का अपमान है। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पार्टी से माफी की मांग की।

दरअसल भाटिया ने प्रेसवार्ता कर कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद का जानबूझकर अपमान किया है। क्या यह वहीं कांग्रेस पार्टी है जो खुद को संविधान की रक्षक बताती है? जिस पार्टी के नेता हाथ में संविधान की प्रति लेकर जनता के सामने नारे लगाते हैं, वहीं पार्टी के नेता देश के शीर्ष संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों

का इस तरह से अपमान करते हैं। इस तरह के बयान कांग्रेस की संकीर्ण, जातिवादी और संविधान विरोधी सोच को प्रदर्शित करते है।

भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने कहा कि यह बयान आदिवासी, महिला और दलित विरोधी मानसिकता का घिनौना प्रदर्शन है। यह कांग्रेस की गिरी हुई राजनीतिक सोच का उदाहरण है। देश आज इन बयानों पर थू-थू कर रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को निशाने पर लेकर उन्होंने कहा कि मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस में इतनी कटुता और नफरत क्यों भरी हुई है? क्या यह वहीं कांग्रेस है, जो कि दशकों तक सत्ता में रहते हुए वंचित वर्गों के अधिकारों की अनदेखी की?

उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस खुद को पीड़ित दिखाने में जुटी है, जबकि असल में भूमि हड़पने वालों का इतिहास कांग्रेस परिवार से जुड़ा है। जिस तथाकथित नकली गांधी परिवार से रॉबर्ट वाड्रा ताल्लुक रखते हैं, वहीं असल में जमीन कब्जाने का जीवंत उदाहरण है। आज जब एक गरीब, आदिवासी, मेहनतकश महिला देश की राष्ट्रपति बनी हैं, तब कांग्रेस के नेताओं को यह रास नहीं आ रहा।

बीजेपी प्रवक्ता भाटिया ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष की टिप्पणी केवल व्यक्तिगत अपमान नहीं, बल्कि राष्ट्रपति पद की गरिमा का अपमान है। उन्होंने कांग्रेस से माफी की मांग कर कहा कि भारत की जनता अब जाग चुकी है और इसतरह के घृणास्पद विचारों को सिरे से खारिज करेगी। खड़गे का बयान केवल व्यक्तिगत दुर्भावना नहीं है, यह देश की आत्मा और संविधान के मूल मूल्यों पर सीधा हमला है।

गिरिराज सिंह ने... बिहार में अपराधिक घटनाओं को नीतीश कुमार के खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र बताया

पटना। बिहार की राजधानी पटना में कारोबारी गोपाल खेमका हत्याकांड पर केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय से भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने बड़ा बयान आया है। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र बताया है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि राजनीतिक गैंग के जरिए सोची-समझी साजिश के साथ इस तरह के अपराध से बिहार सरकार को बदनाम करने की साजिश हो रही है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने कहा, नीतीश कुमार को बदनाम करने, आतंक फैलाने, अपराध करने और राजनीतिक समर्थन वाले अपराध को बढ़ावा देने की साजिश रची है। कुछ लोग जानबूझकर नीतीश की छवि खराब करने के लिए इस तरह की हरकतें कर रहे हैं, लेकिन साजिश के पीछे की सच्चाई सामने आने वाली है। एक खास राजनीतिक गिरोह के द्वारा बिहार के कई इलाकों में राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए अशांति फैलाई जा रही है।तेजस्वी यादव के आरोपों पर भी केंद्रीय मंत्री सिंह ने जवाब दिया। उन्होंने कहा, उछल-उछल कर कुछ लोग पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर जाकर कह रहे थे कि अपराधी अभी तक नहीं पकड़ा गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, बिहार में तेजस्वी कह रहे थे कि जंगलराज है, लेकिन यहां कार्रवाई भी हो रही है। उन्होंने लालू यादव के कार्यकाल को भी याद कराया। लालू के राज में क्या हो रहा था? सीएम हाउस में बैठाकर अपराधियों की पंचायत होती थी। लालू राज में यही हो रहा था। लालू की सरकार में वे अपराधियों को संरक्षित करते थे।

आगे कुआं पीछे खाई : ठाकरे बंधुओं के साथ आने से कांग्रेस की बढ़ी मुसीबत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में उद्धव और राज ठाकरे के एक साथ आने से भाजपा को परेशानी बढ़ सकती है और महाराष्ट्र के राजनैतिक समीकरण बदल सकते हैं। ये सब आम आदमी के लिए सोचना बहुत आसान है, लेकिन इसके पीछे जो राजैतिक पंडित अपना आकलन कर रहे हैं वो काफी चौंकाने वाला है। इसमें सबसे ज्यादा दिक्कतें कांग्रेस की बढ़ी है। कहा जा रहा है कि बिहार चुनाव ने भी कांग्रेस की दुविधा और बढ़ा दी है, क्योंकि पार्टी राज ठाकरे के साथ नजर आई, तो इसका असर पड़ सकता है। राज को उत्तर भारतीय विरोधी और हिंदी विरोधी के तौर पर देखा जाता है। कांग्रेस के एक नेता ने कहा, हमें हिंदी पर एक स्पष्ट निर्देश की जरूरत थी। हम खुलकर आंदोलन में सिर्फ इसलिए शामिल नहीं हुए, क्योंकि यह हिंदी विरोधी संदेश देता है। यह सेक्युलरिज्म पर बहस जैसा है। हम बहुत धर्मनिरपेक्षता की बात करते हैं और हमें मुस्लिम समर्थक के तौर पर देखा जाता है। ऐसे में जब हाईकमान से कोई निर्देश नहीं होंगे, तो हम कैसे संदेश आगे बढ़ाएंगे।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता बताते हैं, वो अधूरे मन से दिया गया न्योता था। हमारे नेताओं को बुलाया गया था। एनसीपी कार्यक्रम में गई थी, लेकिन उनका अपमान किया गया। उनके नेताओं को बोलने के लिए भी नहीं बुलाया गया। ठाकरे मराठी आंदोलन का पूरा क्रेडिट लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा, यह अच्छी बात है कि हम नहीं गए, क्योंकि कांग्रेस हिंदी विरोधी आंदोलन का हिस्सा नहीं थी। अजीबोगरीब बयानों के बाद भी हमारे नेताओं ने मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया, क्योंकि उन्हें दिल्ली के निर्देशों की स्पष्ट जानकारी नहीं थी। एक नेता ने कहा, ठाकरे बंधुओं की नजर सिर्फ बीएमसी चुनाव पर है और हम वो अकेले लड़ना चाहते हैं। हमने बीएमसी चुनावों के लिए किसी से गठबंधन नहीं किया था।एक अन्य नेता ने अखबार को बताया, ठाकरे ने यह सब सिर्फ बीएमसी में सत्ता हासिल करने के लिए किया है। हमारे विधायकों का मानना है कि हमें अकेले लड़ना चाहिए। हमारे पास जो जगह है, हम उसे छोड़ नहीं सकते। जब हम (उद्धव सेना) के साथ जाते हैं, तो अल्पसंख्यक वोट बैंक शिवसेना के साथ जाता है, लेकिन शिवसेना का वोट हमें नहीं मिलता। रिपोर्ट के अनुसार, एक नेता ने कहा, यह एक जटिल स्थिति है। कांग्रेस के पास मुंबई में खास जनाधार नहीं है। हम ना ही मराठी मानूस के साथ हैं और ना ही गुजरातियों के साथ। हमारा जनाधार सिर्फ अल्पसंख्यकों में है, जो कुछ उन जगहों पर है जहां सपा और एआईएएमआईएम उम्मीदवार उतारते हैं। उत्तर भारतीयों में हमारा थोड़ा जनाधार है, जो कि अगर राज के साथ हम नजर आए तो वो भी चला जाएगा।

बिहार में पीके से घबराया महागठबंधन तो बीजेपी को भी सता रहा डर

-जन सुराज की बढ़ती लोकप्रियता ने चुनावी समीकरण बिगाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रशांत किशोर अब बिहार की राजनीति के सबसे चर्चित चेहरे बन चुके हैं। उनकी पार्टी जन सुराज ने सिर्फ दो साल में ही राज्य की राजनीति में ऐसा असर डाला है कि न सिर्फ महागठबंधन परेशान है, बल्कि बीजेपी भी चिंतित है। प्रशांत की जन सुराज यात्रा ने बिहार के कोने-कोने में पहुंचकर जनता से सीधा संवाद किया और राज्य की पारंपरिक जातिगत राजनीति में नया मोड़ ला दिया। पहले जिन्हें विपक्ष बीजेपी की बी टीम कहकर खारिज करता था, आज वही जनसुराज बीजेपी के परंपरागत वोट बैंक में सेंधमारी कर रही है।

बिहार की राजनीति में सालों से उपेक्षित महसूस कर रहे ब्राह्मण और भूमिहार समुदाय को पहली बार महसूस हो रहा है कि उनका कोई नेता सीएम पद की दौड़ में दावेदार बनकर उभरा है। भले ही प्रशांत किशोर बार-बार यह कहते हैं कि वह सीएम बनने की महत्वाकांक्षा नहीं रखते, लेकिन उनके समर्थक गांव-गांव में प्रचार कर रहे हैं कि प्रशांत किशोर ही राज्य का भविष्य हैं।

बीजेपी के लिए यह चिंता की बात है, क्योंकि वह अब तक सवर्णों के समर्थन को सुनिश्चित मानती थी लेकिन जन सुराज की

बढ़ती लोकप्रियता ने यह समीकरण बिगाड़ दिया है। महज कुछ फीसदी वोटों का इधर-उधर होना भी सीटों का गणित बदल सकता है और यही कारण है कि बीजेपी के प्रत्याशी बेचैन हैं। प्रशांत ने जातीय समीकरणों को साधने के लिए ब्राह्मण, राजपूत, दलित, कुर्मी फॉर्मूला अपनाया है। इस फॉर्मूले के जरिए जनसुराज ने कई समुदायों को एक मंच पर लाने की कोशिश की है।

राजपूत वोटरों को साधने के लिए पूर्व सांसद उदय सिंह (पप्पू) को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। दलित समुदाय को जोड़ने के लिए मनोज भारती को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। अति पिछड़ा वर्ग 36.01 फीसदी और मुस्लिम समुदाय 17.70फीसदी को भी रणनीति का हिस्सा बनाया है। पार्टी ने मुस्लिम समुदाय के लिए 40 विधानसभा सीटें रिजर्व कर रखी हैं और आर्थिक मदद का वादा भी किया है।

प्रशांत ने युवा वोटरों को प्रभावित करने के लिए पलायन, रोजगार और शिक्षा जैसे मुद्दों पर फोकस किया है। उन्होंने लोगों से यह नहीं कहा कि किसे वोट देना है, बल्कि उन्हें यह सोचने पर मजबूर किया कि वोट क्यों देना चाहिए। उनकी कंबल पॉलिटिक्स जिसमें गरीबों को ठंड में कंबल और जरूरतमंदों को मदद दी जाती है जमीन पर लोकप्रियता बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बन चुकी है।

तेजस्वी यादव पर कटाक्ष करने वाले प्रशांत किशोर ने अब बीजेपी और पीएम मोदी को भी निशाने पर लेना शुरू कर दिया है। 'ऑपरेशन सिंदूर', भारत-पाक युद्धविराम और हिंदुत्व के मुद्दों पर उनकी सीधी आलोचना ने बीजेपी को असहज कर दिया है। बीजेपी जानती है कि जब कांग्रेस या आरजेडी हिंदुत्व पर हमला करते हैं तो यह उसके लिए फायदेमंद होता है, लेकिन जब प्रशांत वही बात करते हैं, तो जनता उसे गंभीरता से लेती है। यही कारण है कि बीजेपी के लिए प्रशांत का नैरेटिव खतरनाक साबित हो सकता है।

भारत की राजनीति में यात्राओं की अहमियत को कोई नकार नहीं सकता। चाहे वह लालकृष्ण आडवाणी की रथयात्रा हो या राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा। प्रशांत की जन सुराज यात्रा भी इसी श्रेणी में आती है। 2022 से शुरू हुई इस यात्रा ने न सिर्फ लोगों को जागरूक किया, बल्कि बिहार में एक नए विकल्प की जमीन भी तैयार कर दी है। पीके की जनसुराज पार्टी ने बिहार की जातिगत राजनीति को एक नया मोड़ दिया है। वे न केवल सवर्ण वोटरों को आकर्षित कर रहे हैं, बल्कि ओबीसी, दलित और मुस्लिम वर्ग में भी अपनी जगह बना रहे हैं। महागठबंधन के लिए तो खतरे की घंटी है ही, बीजेपी के लिए यह चुनौती कहीं ज्यादा गंभीर और गहरी है।

निशिकांत दुबे की टिप्पणी पर सीएम फडणवीस, उन्होंने आम मराठी लोगों के लिए नहीं कहा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी है, जिस बयान ने राज्य में विवाद खड़ा कर दिया है। सीएम फडणवीस ने स्पष्ट किया कि दुबे की टिप्पणी आम मराठी लोगों के लिए नहीं, बल्कि उन संगठनों के लिए थी, जिनके बारे में सांसद दुबे का मानना है कि वे इस विवाद को हवा दे रहे हैं।

सीएम फडणवीस ने कहा, बीजेपी सांसद दुबे ने जो कहा है, वह आम मराठी लोगों के लिए नहीं बल्कि उन संगठनों के लिए कहा है, जिन्होंने इस विवाद को हवा दी है। हालांकि, सीएम ने दुबे की टिप्पणी के विषय-वस्तु से खुद को अलग करते हुए कहा, मेरा मानना है कि सांसद दुबे का बयान पूरी तरह से सही नहीं है।

उन्होंने देश के विकास में महाराष्ट्र के योगदान पर जोर देकर कहा, देश की प्रगति में

महाराष्ट्र के योगदान को कोई नकार नहीं सकता या भूल नहीं सकता, और अगर कोई ऐसा करता है, तब यह पूरी तरह से गलत होगा। फडणवीस ने कहा कि मेरे विचार से इस तरीके का बयान देना योग्य नहीं है, क्योंकि उसका जो मतलब निकलता है वह लोगों के मन में भ्रम पैदा करता है।

दरअसल यह स्पष्टीकरण मनसे प्रमुख राज ठाकरे की हालिया टिप्पणी पर सांसद दुबे की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद उठे राजनीतिक तूफान को लेकर आया है। राज ठाकरे ने कथित तौर पर अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया था कि वे मारें, लेकिन वीडियो न बनाएं, जो मराठी में बात करने के लिए तैयार नहीं व्यक्तियों का जिक्र कर रहे थे।

जवाब में सांसद दुबे ने कहा था, क्या कर रहे हो, किसकी रोटी खा रहे हो? तुम लोग हमारे पैसे से जी रहे हो। तुम्हारे पास किस तरह के उद्योग हैं? झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में सारी खदानें हमारी हैं। तुम्हारे पास कौन सी खदानें हैं? सारी सेमीकंडक्टर रिफाइनरियाँ गुजरात में हैं। हिंदी भाषी लोगों के प्रति आक्रामकता के पीछे की मंशा को चुनौती देकर दुबे ने कहा कि अगर आपमें हिंदी बोलने वालों को पीटने की हिम्मत है, तब उर्दू, तमिल और तेलुगु बोलने वालों को भी पीटें।

जमानत मिलनी चाहिए और जेल तभी हो, जब बहुत जरूरी हो

-सीजेआई ने कहा- जेल अपवाद वाला सिद्धांत भूल गए हैं लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा है कि आजकल जमानत नियम है, जेल अपवाद वाला सिद्धांत लोग भूल गए हैं। इस सिद्धांत का मतलब है, आम तौर पर जमानत मिलनी चाहिए और जेल तभी हो, जब बहुत जरूरी हो। सीजेआई गवई ने कहा कि कई सालों तक अदालतों ने इस बात को माना है, लेकिन आजकल इसे ठीक से लागू नहीं किया जा रहा है। उन्होंने यह बात कोच्चि में जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर मेमोरियल लॉ लेक्चर देते हुए कही।

सीजेआई ने कहा कि उन्होंने खुद कई मामलों में जमानत देते समय इस नियम को फिर से स्थापित करने की कोशिश की है। इससे हाईकोर्ट और निचली अदालतों को भी ऐसा करने का रास्ता मिला। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मुझे पिछले साल 2024 में प्रबीर पुरकायस्थ, मनीष सिसोदिया और कविता बनाम ईडी के मामलों में इस कानूनी सिद्धांत को दोहराने का अवसर मिला। इसका मतलब है कि उन्होंने इन मामलों में जमानत देते समय इस सिद्धांत को ध्यान में रखा।

जस्टिस अय्यर के बारे में सीजेआई गवई ने कहा कि वे उन लोगों के हक में थे जो बिना मुकदमे के जेल में बंद हैं। उन्होंने हमेशा ऐसे लोगों के अधिकारों की रक्षा की। हमें भी उनका तरीका अपनाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल के वर्षों में खासकर 2024 में, कई ऐसे फैसले दिए हैं जिनसे उन कैदियों को फायदा हुआ, जिनका मुकदमा अभी तक शुरू नहीं हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर मुकदमा देर से शुरू हो रहा है और कोई व्यक्ति लंबे समय से जेल में है, तो उसे जमानत मिलनी चाहिए। भले ही उस पर पीएलएलए और यूएपीए जैसे सख्त कानूनों के तहत आरोप लगे हों। इन कानूनों में जमानत मिलना बहुत मुश्किल होता है। इस फैसले से मनी लॉन्ड्रिंग और गैरकानूनी गतिविधियों के मामलों में आरोपियों को जमानत मिलने का रास्ता खुल गया है। कुल मिलाकर, सीजेआई और सुप्रीम कोर्ट दोनों का यही कहना है कि लोगों को बिना वजह जेल में नहीं रखना चाहिए। जमानत एक आम नियम होना चाहिए और जेल सिर्फ तभी हो जब बहुत जरूरी हो। अदालतों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए और लोगों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए।

रनवे पर था विमान तभी दूसरा विमान आ गया, सतर्कता से टला बड़ा हादसा

-एटीसी ने स्विस एयरलाइंस को दिया गो-अराउंड का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टल गया, जब रनवे पर एक विमान पहले से खड़ा था। इसी दौरान दूसरा विमान भी आ गया। एयर ट्रैफिक कंट्रोल और विमान के पायलटों की सतर्कता से स्थिति को संभाल लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और कई लोगों की जान बच गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक फ्लाइट के रनवे पर धीमे होने के कारण यह स्थिति बनी। ये फ्लाइट तय जगह से पहले रनवे खाली न होने के कारण यह स्थिति बनी। इससे पीछे आ रहे विमान के बीच की दूरी कम हो गई। स्विस एयरलाइंस की फ्लाइट एलएक्स146 ज्यूरिख से दिल्ली आ रही थी। उसी समय एक और विमान फुकेत से आ रहा था। फुकेत से आ रहा विमान रनवे पर धीरे हो गया। इससे दोनों विमानों के बीच की दूरी कम हो गई। एटीसी ने स्विस एयरलाइंस के विमान को गो-अराउंड करने का निर्देश दिया। गो-अराउंड का मतलब है कि फ्लाइट को रनवे पर उतरने के बजाय फिर से उड़ान भरनी होती है।

स्विस एयरबस ए330 विमान को एटीसी ने 1400 फीट की ऊंचाई पर गो-अराउंड करने का निर्देश दिया। विमान दूसरी बार में सुरक्षित उतरा गया। यह घटना रविवार रात 11.40 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर घटी। स्विस एलएक्सए146 विमान ज्यूरिख से आ रहा था। उससे पहले एक और विमान फुकेत से आ रहा था। एटसी और पायलटों की समझदारी से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

रिपोर्ट में एक वरिष्ठ एटीसी अधिकारी के मुताबिक फुकेत से आ रहा विमान रनवे 11आर से चार नॉटिकल मील दूर था। एलएक्स146 विमान उससे आठ नॉटिकल मील पीछे था। फुकेत वाले विमान ने अंतिम अप्रोच पर अपनी गति कम कर दी। इसके बाद, एटीसी ने स्विस विमान को अपनी स्पीड कम करने को कहा। एटीसी को उम्मीद थी कि फुकेत से आ रहा विमान रनवे से जल्द ही हट जाएगा। रनवे 11आर पर वॉय1 नाम का एक रैपिड एग्जिट टैक्सीवे है। टैक्सीवे एक तरह का रास्ता होता है, जिससे विमान रनवे से जल्द हट जाता है। अगर फुकेत से आ रहा विमान वॉय1 टैक्सीवे से हट जाता, तो स्विस एयरलाइंस का विमान सुरक्षित उतर सकता था लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

एटीसी ने स्विस विमान को कंटिन्यू अप्रोच करने को कहा। चूंकि पहला विमान समय पर रनवे खाली नहीं कर सका, इसलिए एटीसी ने स्विस एयरलाइंस को सुरक्षा कारणों से गो अराउंड करने या एक मिस्ड एप्रोच करने को कहा। फ्लाइट ट्रैकिंग साइटों से पता चलता है कि लुफ्थांसा ग्रुप के विमान ने ऐसा तब किया जब वह 1400 फीट की ऊंचाई पर था। फ्लाइट ट्रैकिंग साइटों के मुताबिक यह 11.51 बजे अपने दूसरे प्रयास में सुरक्षित रूप से उतरा।

उस समय, दिल्ली में पूर्वी हवाएं चल रही थीं। यह मानसून के मौसम में आम है। आईजीआईए का मुख्य रनवे 10/28 15 जून से मरम्मत के लिए बंद कर दिया गया है। तीन चालू रनवे और पूर्वी हवाओं के साथ, दिल्ली में एक घंटे में अधिकतम 32 फ्लाइट्स उतरती हैं। दिल्ली में उड़ानों की संख्या कम कर दी गई है। फिर भी एटीसी

और पायलटों को विमानों की आवाजाही को अधिकतम करने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरुरत है।

रिपोर्ट के मुताबिक एक एटीसी सूत्र ने बताया कि वह अनुभवी कर्मचारियों की कमी के बीच काम कर रहे हैं। चाहे दिल्ली हो या मुंबई, संकट की स्थिति में गलती की गुंजाइश कम होती है। एक विमान का धीमा होना या रनवे खाली करने में ज्यादा समय लगना मतलब सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रियल टाइम में तुरंत फैसला लेना जरूरी है। इस घटना से पता चलता है कि एटीसी और पायलटों की सतर्कता कितनी जरूरी है। उनकी तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया। यह घटना हमें यह भी याद दिलाती है कि हवाई यात्रा में सुरक्षा कितनी अहम है।

आरसीबी ने सीएसके और एमआई को पछाड़ा, आईपीएल ब्रांड वैल्यू में बनी नंबर-1 टीम

मुंबई (एजेंसी)। 17 साल के लंबे इंतजार के बाद आईपीएल 2025 में आरसीबी ने आखिरकार अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी उठाई। उनकी इस ऐतिहासिक जीत के साथ उनको मैदान के बाहर भी जीत दर्ज हुई है। आरसीबी आईपीएल के वित्तीय परिदृश्य में एक मील का पत्थर साबित हुई है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी चेन्नई सुपर किंग्स को पछाड़ते हुए लीग की सबसे वैल्यूएबल फ्रेंचाइजी बन गई है। इस कामयाबी के बाद चेन्नई सुपर किंग्स का वैल्यूएशन चार्ट में टॉप पर रहने की बादशाहत खत्म हो गई है।

वैश्विक निवेश बैंक हाउलिहान लोकी की एक रिपोर्ट्के अनुसार, आईपीएल का मूल्यांकन 12.9 प्रतिशतक बढ़कर 18.5 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एक साल में आईपीएल का स्टैंड-अलोन ब्रांड मूल्य 13.8 प्रतिसथ बढ़कर 3.9 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। रिपोर्ट में आईपीएल के बढ़ते आकर्षण को भी बताया गया है। बीसीसीआई की चार सहयोगी प्रायोजक स्लॉट- माय11 सर्किल, एंजेल वन, रुपे और सीएट की ब्रिकी से 1,485 करोड़ रुपये की कमाई हुई, जो पिछले चक्र से 25 प्रतिसत ज्यादा है। दूसरी ओर, टूर्नामेंट ने 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर के पांच साल के सौदे में टाटा समूह के साथ 2028 तक अपनी टाइटल-प्रायोजन प्रतिबद्धता को भी बढ़ाया।

आईपीएल फ्रेंचाइजी की बात करें तो 2025 की चैंपियन आरसीबी ने 269 मिलियन अमरीकी डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ टॉप पर काबिज है। जो पिछले साल 227 मिलियन अमरीकी डॉलर से ज्यादा है। दूसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस 2024 में 204 मिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर इस साल 242 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गई। हालांकि, चेन्नई सुपर किंग्स 235 मिलियन अमरीकी डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ तीसरे नंबर पर खिसक गई।

वोक्स का सर्वश्रेष्ठ बीत चुका है, क्रॉली में सीखने की क्षमता नहीं, दूसरे टेस्ट में हार के बाद भड़के पूर्व कप्तान

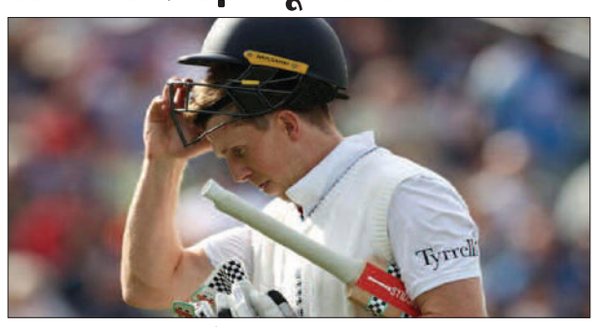

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ज्योफ्री बॉयकॉट ने क्रिस वोक्स और जैक क्रॉली की भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के पहले दो मैच में खराब प्रदर्शन के लिए कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ समय भी चुका है जबकि सलामी बल्लेबाज में अपनी गलतियों से सीखने की क्षमता नहीं है। वोक्स ने अभी तक 59 टेस्ट मैच खेले हैं और वह इंग्लैंड के आक्रमण में सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। इस तेज गेंदबाज ने दो मैचों में 82 ओवर फेंके और 290 रन देकर केवल तीन विकेट लिए। उन्होंने जिन तीन पारियों में बल्लेबाजी की, उनमें उन्होंने 50 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर 38 रन है। बॉयकॉट ने अपने कॉलम में लिखा, 'जब खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ समय बीत जाता है तो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता और ऐसे खिलाड़ियों को टीम में रखने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। क्रिस वोक्स को देखिए। उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनकी गति कम होती जा रही है, जैसा कि आप उम्मीद कर सकते हैं। वह विदेश में कभी भी विकेट लेने वाले गेंदबाज नहीं रहे हैं, जहां उनका रिकॉर्ड खराब है। इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और जब बल्लेबाज विफल रहते हैं तो उनसे रन बनाने की उम्मीद की जाती है लेकिन उनका मुख्य कौशल गेंदबाजी है और उनका काम विकेट लेना है।' क्रॉली के मामले में बॉयकॉट ने कहा कि यह सलामी बल्लेबाज इससे बेहतर नहीं हो सकता। क्रॉली ने भारत के खिलाफ अब तक चार पारियों में एक अर्धशतक लगाया है। बॉयकॉट ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वह बदल सकते हैं या बेहतर हो सकते हैं। बल्लेबाजी दिमाग में होती है और दिमाग ही तय करता है कि आप बल्लेबाजी कैसे करेंगे, आप कौन से शॉट खेलने की कोशिश करेंगे, कौन सी गेंदें छोड़ेंगे। तकनीक और सोच में उनकी खामियां गहरी हैं।'

आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : नंबर एक गेंदबाज बनने की दहलीज पर दीप्ति शर्मा

दुबई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और इस तरह से अपने करियर में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बनने की दहलीज पर खड़ी हैं। दीप्ति पिछले छह वर्षों में अधिकतर समय टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 10 में रही हैं, लेकिन लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद वह कभी नंबर एक गेंदबाज नहीं बन पाई।

टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के नए अपडेट में दीप्ति को एक स्थान का फायदा हुआ है और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। दाएं हाथ की यह गेंदबाज अब रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद पाकिस्तान की सादिया इकबाल से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे है। दीप्ति ने इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के तीसरे मैच में तीन विकेट लेने के बाद अपनी नवीनतम रैंकिंग में सुधार किया है और यह ऑफ स्पिनर अंतिम दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी पाकिस्तानी प्रतिद्वंद्वी से शीर्ष स्थान हासिल कर सकती है।

भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के हालिया मैच में तीन विकेट लेने के बाद 11 स्थान की छलांग लगाकर टी20 गेंदबाजों की सूची में 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं। बल्लेबाजों में जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गईं। उन्होंने ब्रिस्टल में श्रृंखला के दूसरे मैच में अर्धशतक जमाया था।

भारत को लॉर्ड्स में तेजी और उछाल से मात देना चाहता है इंग्लैंड

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने इस सप्ताह लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए तेज और उछाल भरी 'जीवंत पिच' की मांग की है। इस मैच में जॉफ्रा आर्चर और गस ऐटकिंसन की वापसी हो सकती है। इसके साथ ही वे भारत से एजबस्टन में मिली 336 रन की बुरी हार से भी उबरना चाहते हैं।

इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि एजबस्टन में तैयार की गई 'उपमहाद्वीप जैसी' पिच और टॉस पर गेंदबाजी चुनने का इंग्लैंड का फैसला भारत के पक्ष में गया। वे गुरुवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में घरेलू हालात का बेहतर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। वे अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव करने पर भी विचार कर रहे हैं क्योंकि इन गेंदबाजों को पिछले दो टेस्ट के दौरान मैदान पर काफी मेहनत करनी पड़ी है।

पिछले महीने लॉर्ड्स में हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान तेज गेंदबाजों का दबदबा दिखा था,

जहां पैट कमिंस और कैगिसो रबाडा को अच्छी सीम मूवमेंट मिली थी। मैकुलम ने भी ऐसी ही पिच की मांग की है, जिसमें थोड़ी रफ्तार, उछाल और मूवमेंट हो। उन्होंने कहा, 'यह मैच शानदार होगा, लेकिन अगर पिच में जान रही तो यह और भी जबरदस्त होगा।'

2018 में लॉर्ड्स की हरियाली भरी पिच पर भारत बुरी तरह फंस गया था, लेकिन चार साल पहले टीम ने यहां पर एक रोमांचक टेस्ट मैच भी जीता था। भारत बर्मिंघम में आराम दिए गए जसप्रीत बुमराह की वापसी का इंतजार कर रहा है। वह भी एक अलग तरह की पिच की उम्मीद कर रहा है। उनके कप्तान शुभमन गिल ने कहा, 'देखते हैं लॉर्ड्स में हमें कैसी पिच मिलती है। मेरा अंदाजा है कि यह सपाट नहीं होगी।'

आर्चर ने दूसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड के साथ अभ्यास किया था और पूरी तरह से गेंदबाजी भी की थी। वह पिछले महीने ससेक्स के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लौटे और धीरे-धीरे अपना वर्कलोड बढ़ा रहे हैं। कोहनी और पीठ की चोटों के चलते वह फरवरी 2021 से टेस्ट क्रिकेट से बाहर हैं। मैकुलम ने इशारा दिया है कि वह वापसी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'वह (आर्चर) चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। हमारे तेज गेंदबाज लगातार दो टेस्ट खेल चुके हैं और अब हमें मुख्य मैदान पर जाना है। हम इस मैच के बाद हम स्थिति का आकलन करेंगे। वहीं जोफ्रा फिट हैं, मज़बूत हैं, खेलने के लिए तैयार हैं और वह चयन के दायरे में होंगे।'

मैकुलम ने कहा, 'यह हमारे लिए एक उत्साहजनक खबर है। वह टीम के साथ रहकर काफी खुश हैं और उनका टीम के साथ होना शानदार है। उन्होंने काफी चोटें झेली हैं और लंबे समय तक टेस्ट क्रिकेट से दूर रहे हैं। लेकिन हम सभी जानते हैं कि वह टेस्ट क्रिकेट में क्या हासिल कर सकते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि उन्हें जो भी अवसर मिलेगा, वह उसमें बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।'

क्या आईसीसी वर्ल्ड क्लब्स टी20 चैंपियनशिप में पीसीबी को जगह मिलेगी?

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की योजना विश्व की लोकप्रिय टी20 क्रिकेट लीग की टीमों के बीच वर्ल्ड क्लब्स टी20 चैंपियनशिप का आयोजन करना है। इसमें पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) को शायद ही शामिल किया जाये। इसका कारण ये है कि इस इवेंट के लिए हुई बैठक में पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपना प्रतिनिधि नहीं भेजा था जबकि उसे आमंत्रण दिया गया था जिसके बाद से ही आईसीसी उससे नाराज है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा आयोजन इस बैठक में प्रमुख टी20 फ्रेंचाइजी-आधारित लीगों के सीईओ शामिल हुए थे। इस , फ्रबैठक में प्रस्तावित वर्ल्ड क्लब्स चैंपियनशिप, इसकी विंडो, फॉर्मेट, शेड्यूल आदि पर बात हुई थी। इसमें एमिरेट्स लीग, बिग बैश लीग, द हंड्रेड, एस20, एलएलसी, कैरेबियन प्रीमियर लीग आदि के सीईओ शामिल हुए थे। शुरुआत में वर्ल्ड क्लब्स इवेंट में पांच टीमें होंगी हालांकि इसमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की कोई टीम भाग नहीं लेगी पर उसे पीएसएल का समर्थन रहेगा। वर्ल्ड क्लब्स चैंपियनशिप को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है जिससे कि प्रस्तावित सऊदी क्रिकेट लीग का मुकाबला किया जा सके। सऊदी लीग को 400 मिलियन डॉलर की के साथ निजी निवेशक शुरु करने का प्रयास कर रहे हैं। वे हर साल टेनिस ग्रैंड स्लैम इवेंट्स की तर्ज पर अपनी लीग को आयोजित करना चाहते है।

क्रिकेटर यश दयाल की मुश्किलें बढ़ीं, शारीरिक शोषण मामले में एफआईआर दर्ज

गाजियाबाद। ऑयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलने वाले क्रिकेटर यश दयाल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। यश पर शादी का वादा कर धोखाधड़ी करने के साथ ही मानसिक और शारीरिक शोषण आरोप में एफआईआर दर्ज की गयी है। यह एफआईआर कराने वाली पीड़िता का आरोप है कि यश ने शादी का झांसा देकर उसका शोषण किया है। इस युवती ने यश के खिलाफ पिछले दिनों ऑनलाइन शिकायत की थी। वहीं यश दयाल के परिवार ने इसे साजिश बताया था। अब इस मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई है। यश के खिलाफ इंदिरापुरम थाने में बीएनएस की धारा 69 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। यह गैरजमानती धारा है। वहीं अगर यश दयाल दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें 10 साल तक की सजा हो सकती है. पीड़ित युवती के अनुसार वह पांच साल पहले सोशल मीडिया के जरिए यश दयाल के संपर्क में आई थी। शुरुआती दोस्ती बाद में प्रेम में बदल गई। तब यश दयाल ने शादी का भरोसा दिलाया और दोनो लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे। इस दौरान यश उसे कई जगहों पर ले गये जिसके सबूत भी पीड़िता ने पुलिस को सौंपे हैं।

जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज मातिगिमु पर खतरनाक खेल के लिए जुर्माना लगा, डिमेरिट अंक भी मिला

बुलावायो (एजेंसी)। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज कुंदई मातिगिमु पर यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन 'अनुचित और खतरनाक' तरीके से गेंद फेंकने के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और एक डिमेरिट अंक दिया गया। यह घटना दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के 72वें ओवर के दौरान हुई जब मातिगिमु ने गेंदबाजी करने के बाद वापसी आई गेंद को रोका और बल्लेबाज लुआन डि प्रीटोरियस की ओर फेंका जो उनकी कलाई पर लगी।

मातिगिमु ने खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के नियम

2.9 का उल्लंघन किया। आईसीसी ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा कि यह 'अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी पर या उसके पास अनुचित और/या खतरनाक तरीके से गेंद (या क्रिकेट उपकरण का कोई अन्य सामान) फेंकने' से संबंधित है। इस तेज गेंदबाज ने अपराध और मैच रेफरी रंजन मदुगले द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया जिससे औपचारिक सुनवाई नहीं हुई।

यह 24 महीने की अवधि में जिम्बाब्वे के इस तेज गेंदबाज का पहला अपराध था। दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान वियान मुल्डर के नाबाद 367 रन की बदौलत पहली पारी पांच विकेट पर 626 रन बनाकर घोषित की। जिम्बाब्वे को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा और उस पर पारी की हार का खतरा मंडरा रहा है।

सीसीएल चैंपियंस 'पंजाब दे शेर' को पंजाब के राज्यपाल ने किया सम्मानित

चंडीगढ़। फिलमी सितारों और कॉर्पोरेट उत्कृष्टता का शानदार संगम देखने को मिला जब सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग (सी.सी.एल.) सीजन-11 की विजेता टीम 'पंजाब दे शेर' को पंजाब एंजेल्स नेटवर्क द्वारा आयोजित भव्य समारोह 'ए नाइट विद द चैंपियंस' में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया थे। इस कार्यक्रम में राज्य की प्रतिष्ठित हस्तियों जिनमें वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, उद्योगपति, प्रसिद्ध कलाकार और खेल प्रेमी शामिल हुए। फिलमी सितारों से सजी शाम कार्यक्रम में टीम के मालिक पुनीत सिंह, नवराज हंस और करन गिल्होत्रा, हंसराज हंस और जस्पिंदर नरूला और कई लोकप्रिय सितारे जैसे अपारशक्ति खुराना, ऐमी विर्क, बिन्नू ढिल्लों, हार्डी संधू, मीट ब्रदर्स के मनमीत सिंह, सुय्यश राय, अनुज खुराना, राहुल जेटली, मयूर मेहता, बलराज सयाल, गवी चहल, दक्ष, गुलजार, निंजा, जस्सी गिल, बबल राय, युवराज हंस सहित अन्य कई जाने-माने चेहरों ने भाग लिया। 'पंजाब दे शेर' की विजयी कहानी पंजाब दे शेर ने फाइनल मुकाबले में चेन्नई राइनोज़ को 8 विकेट से हराकर सी. सी. एल. 11 का खिताब जीता। टीम के कप्तान हार्डी संधू के नेतृत्व में पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने विजेता टीम को बधाई दी। इस मौके पुनीत सिंह, टीम मालिक ने कहा कि यह जीत केवल टीम की नहीं, बल्कि उन सभी प्रशंसकों की है जिन्होंने हर मैच में हमारा हौसला बढ़ाया।

सौरव गांगुली के जन्मदिन पर बीसीसीआई ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली मंगलवार को 53 साल के हो गए हैं। इस मौके पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने पूर्व अध्यक्ष को बधाई देते हुए उनके आंकड़ों पर प्रकाश डाला है। बीसीसीआई ने 'एक्स' पर लिखा, '424 अंतरराष्ट्रीय मैच, 18,575 अंतरराष्ट्रीय रन, 38 अंतरराष्ट्रीय शतक। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।' इसका जवाब देते हुए सौरव गांगुली ने लिखा,

'धन्यवाद बीसीसीआई। दुनिया का सबसे बेहतरीन खेल संगठन।' साल 1992 के 'बेन्सन एंड हेजेस वर्ल्ड सीरीज' में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय मैच में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने के बाद, गांगुली ने 16 वर्षों तक देश की सेवा की। बीसीसीआई ने सौरव गांगुली से जुड़े जिन आंकड़ों को साझा किया है, वह बेहद खास हैं। आइए, इसे विस्तार से समझते हैं। सौरव गांगुली ने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे मैच खेले। गांगुली को भारत के सबसे महान कप्तान और बाएं हाथ के बल्लेबाजों में गिना जाता है, खासकर वनडे में उनका रिकॉर्ड शानदार है। जनवरी 1992 में वनडे करियर की शुरुआत करने वाले गांगुली ने 300 पारियों में 41.02 की औसत के साथ 11,363 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 22 शतक और 72 अर्धशतक आए। इस फॉर्मेट में 'दादा' का सर्वोच्च स्कोर 183 रन है। वनडे करियर की शुरुआत के करीब चार साल बाद गांगुली को टेस्ट में भी डेब्यू का मौका मिला। उन्होंने इस फॉर्मेट में 188 पारियां खेलीं, जिसमें 42.17 की औसत के साथ 7,212 रन जड़े। इस दौरान 16 शतक और 35 अर्धशतक देखने को मिले।

पिता और भाई की मौत से टूट गए थे आकाश दीप, बड़ी बहन के योगदान ने बनाया मैच विजेता क्रिकेटर

कोलकाता (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन मैदान पर खेले गए टेस्ट मैच के भारतीय नायक आकाश दीप के क्रिकेटर बनने में उनकी बहन अखंड ज्योति का बड़ा योगदान रहा है जो खुद अब कोलोन कैंसर के तीसरे चरण से जूझ रही हैं। आकाश दीप ने 2015 में छह महीने के अंतराल में अपने पिता रामजी सिंह और अपने सबसे बड़े भाई को खो दिया था तब उनके क्रिकेट करियर पर संकट छा गया था। निराशा के उस क्षण में अखंड ज्योति ने अपने सबसे छोटे भाई के सपने को पूरा करने के लिए लगातार प्रेरित किया। उस समय उनकी बहन ने कहा था, 'इसी फील्ड (क्षेत्र) में आगे बढ़ो।'

इस वाक्ये के कई साल के बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट लेकर भारत की ऐतिहासिक जीत की नींव रखी। इस तेज गेंदबाज ने अपने प्रदर्शन को मैच के बाद भावुक होकर अपनी बहन को समर्पित किया। आकाश दीप ने मैच की पहली पारी में 88 रन देकर चार विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 99 रन देकर छह विकेट लेकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उनके इस प्रदर्शन से भारत ने 336 रन की जीत के साथ पांच मैचों की श्रृंखला को 1-1 से बराबर किया।

आकाश दीप के इस प्रदर्शन के पीछे एक भावुक कहानी छिपी है। अखंड ज्योति 14 मई को कोलन कैंसर की सर्जरी करवाने के बाद अब कीमोथेरेपी पर हैं। ज्योति के पति नितेश कुमार सिंह सेना से रिटायर हैं और अब बैंक में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया, 'यह पूरे परिवार के लिए गर्व की बात है। पिता की मृत्यु के बाद आकाश दिल्ली में क्लब क्रिकेट खेल रहे थे लेकिन उन्हें वह सफलता नहीं मिल रही थी।' यह ज्योति ही थीं जिन्होंने उनसे कहा, 'इसे गंभीरता से लो। अगर जरूरत पड़े तो कहीं और जाओ और इस सपने को पूरा करो।'

उन्होंने कहा, 'वह 2017 में कोलकाता चले गए और फिर बंगाल अंडर-23 के लिए चुने गए। उन्होंने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।' यहीं से उनकी जिंदगी शुरू हुई। परिवार ने आर्थिक तंगी के बावजूद कभी आकाश दीप पर भरोसा करना कम नहीं किया। ज्योति आकाश दीप से 10 साल बड़ी है। पिता तथा भाई की मौत के बाद आकाश का अपनी बहन के साथ रिश्ता और भी गहरा हो गया। नितेश ने कहा, 'वे सब कुछ साझा करते हैं। बात चाहे कोई फैसला लेने की हो, चुटकुले हो या ताने मारना हो। वे हमेशा एक-दूसरे को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं।'

कीमोथेरेपी के दौरान भी अखंड ज्योति ने सुनिश्चित किया कि उसका भाई खेल पर ध्यान केंद्रित रखे। इंग्लैंड दौरे से पहले परिवार आकाश को छोड़ने के लिए हवाई अड्डे गया जहां उसकी बहन ने उससे कहा कि वह उसके स्वास्थ्य के बारे में चिंता न करे और देश के लिए अच्छा खेलने पर ध्यान केंद्रित करे। उन्होंने बताया कि वह हर दिन अपने भाई से बात करती है। सिंह ने कहा, 'मैच खत्म होने के तुरंत बाद आकाश दीप का फोन आया और उन्होंने उससे वीडियो कॉल पर बात की। हम कल रात लगभग दो बजे सोए।' नितेश ने कहा कि जब भी आकाश विकेट लेता है तो ज्योति को बहुत खुशी होती है और परिवार इतनी जोर से ताली बजाता है और खुशी मनाता है कि उनके पड़ोसी भी पूछते हैं कि क्या हुआ है।

आकाश दीप ने अपनी बहन के साथ अपने पैतृक गांव और जिले को भी खुशी मनाने का मौका दिया। उन्होंने अपने चचेरे भाई बैभव कुमार के साथ सासाराम में आकाश बैभव क्रिकेट अकादमी की स्थापना की। इस अकादमी में अभी 200 से अधिक खिलाड़ी प्रशिक्षण लेते है। बैभव ने कहा, 'इतने सारे संघर्षों को देखने के बाद आकाश हमेशा समाज को कुछ वापस देना चाहता था। हमारी अकादमी में सभी सुविधाएं (बॉलिंग मशीन, फ्लडलाइट्स, नेट) हैं। हम बहुत कम कीमत पर यह सुविधाएं मुहैया कराते है ताकि मध्यम और निम्न आय वाले परिवारों के बच्चों को भी अपने सपने को साकार करने का मौका मिले।' उनके गांव बद्दी में मैच के बाद से जश्न जारी है। बैभव ने कहा, 'हम नाच रहे हैं, मिठाइयां बांट रहे हैं। यह यहां बहुत से लोगों को प्रेरित करेगा।'

विराट की तरह ही हैं शुभमन के आंकड़े

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल की तुलना पदार्पण के बाद से ही अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से होती रही है। प्रशंसकों का मानना है कि वह विराट जैसे बल्लेबाज हैं। शुभमन ने इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैचों में शतक लगाये हैं। पहली बार इंग्लैंड में सीरीज खेल रहे गिल इस समय कोहली की तरह ही प्रदर्शन करते दिख रहे हैं। शुभमन ने अब तक 139 अंतरराष्ट्रीय पारियां खेली हैं जिसमें उनके आंकडे विराट के आसपास हैं। 25 साल के शुभमन ने 139 इंटरनेशनल पारियों के बाद 5831 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 47.02 रन रहा है। उन्होंने 17 शतक लगाये हैं। वहीं कोहली ने अपनी शुरुआती 139 अंतरराष्ट्रीय पारियों में 45.98 के औसत से 17 शतक के साथ ही 5610 रन बनाए थे। इससे अंदाजा होता है कि दोनों के बीच कड़ा मुकाबला रहा है। रनों के मामले में शुभमन का आंकड़ा कोहली से कही बेहतर है जबकि दोनों के शतक बराबर हैं। बल्लेबाजी औसत में भी इनमें ज्यादा अंतर नहीं है। शुभमन ने टेस्ट में 63 पारी खेली हैं जबकि एकदिवसीय में 55 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 21 पारी उनके नाम हैं। विराट ने अपने लंबे करियर में कई उतार चढ़ा देखे हैं। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से कई बार टीम इंडिया को बड़ी जीत दिलाई थी। .विराट को एक आक्रामक कप्तान के रूप में जाना जाता है। वहीं दूसरे टेस्ट में शुभमन के दोहरे शतक के बाद कोहली ने उनकी जमकर तारीफ की थी। इससे माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में शुभमन भी विराट की तरह ही जीत दिलाएंगे। शुभमन गिल अपनी कप्तानी में इंग्लैंड में शानदार बल्लेबाजी के साथ साथ विश्व रिकॉर्ड बना रहे हैं।

मां-बाप के तलाक के लिए खुद को जिम्मेदार मानती थीं अंशुला कपूर

फिल्म निर्माता बोनी कपूर और उनकी पहली पत्नी मोना शौरी की बेटी अंशुला कपूर ने हाल ही में अपने बचपन के बारे में एक हैरान करने वाला खुलासा किया है। उन्होंने कुबूल किया कि एक समय उन्हें लगता था कि उनके माता-पिता के अलग होने के लिए वह ही जिम्मेदार थीं। पिंकविला के साथ बातचीत में अंशुला ने बताया कि कैसे एक बच्चे के रूप में, उन्होंने अपने परिवार के टूटने के लिए खुद को दोषी ठहराया।

खुद को अच्छी बेटी नहीं मानती थीं अंशुला

अंशुला ने बताया जब मैं छह साल की थी तब मुझे लगता था कि उनकी जिंदगी बहुत अच्छी चल रही थी। अचानक जब मैं उनकी जिंदगी में आई तो मुझे लगा कि मेरे आने के बाद वह एक साथ नहीं रह सकते। मुझे लगा कि मैं शायद अच्छी बेटी नहीं हूं। मुझे लगता है कि यह बात जान्हवी कपूर के जन्म के बाद और ज्यादा साफ हो गई। मुझे पता है कि यह अजीब है क्योंकि मुझे लगा कि शायद मेरे साथ कुछ दिक्कत है।

बचपन में पड़ा बुरा प्रभाव

हालांकि अंशुला के माता-पिता ने उन्हें आश्वस्त किया कि उनका तलाक उनकी गलती नहीं थी, लेकिन अंशुला कपूर ने बताया कि बचपन में इस बात से निकलना मुश्किल था। उन्होंने कहा मैं अब इस पर यकीन नहीं करती। लेकिन मैं उस वक्त एक बच्ची थी। मैं यह पता लगाने की कोशिश कर रही थी कि क्या गलत हुआ और सोच रही थी कि शायद मैं ही गलत थी। आप यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि किसी पर मनोवैज्ञानिक तौर से क्या प्रभाव पड़ता है।

माता पिता की शादी

आपको बता दें बोनी कपूर ने 1983 में मोना शौरी से शादी की और उनके दो बच्चे अर्जुन और अंशुला कपूर हैं। 1996 में वे अलग हो गए और उसी साल बोनी ने अभिनेत्री श्रीदेवी से शादी कर ली। 1997 में जान्हवी कपूर का जन्म हुआ, उसके बाद खुशी कपूर का जन्म हुआ।

हर्षाली मल्होत्रा का साउथ सिनेमा में डेब्यू

अखंडा 2 में नजर आएंगी

सलमान खान की बजरंगी भाईजान की मुन्नी बनकर हर किसी के दिल में बसीं हर्षाली मल्होत्रा अब साउथ सिनेमा में अपना जलवा दिखाएंगी। वह नंदमुरी बालकृष्ण के साथ फिल्म अखंडा 2 में नजर आएंगी। फिल्म से हर्षाली मल्होत्रा का फर्स्ट लुक भी रिलीज किया गया है, जो चर्चा में छाया है। अखंडा 2 में हर्षाली मल्होत्रा जननी का किरदार निभाएंगी। फिल्म 25 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। अखंडा 2 से हर्षाली मल्होत्रा का जो फर्स्ट लुक सामने आया है, उसमें वह पीले रंग का लहंगा पहने नजर आ रही हैं। जूलरी पहनी है और बाल हवा में लहरा रहे हैं। हर्षाली इस लुक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

हर्षाली मल्होत्रा के फैंस झूमे

हर्षाली मल्होत्रा की फिल्म के ऐलान से फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है और उन्हें अखंडा 2 का बेसब्री से इंतजार है। एक फैन ने ट्वीट किया है, मुन्नी इज बैक। हर्षाली मल्होत्रा जिसने बजरंगी भाईजान में सबका दिल जीता, अब अखंडा 2 में नजर आएगी। एक ने लिखा, लंबे समय बाद हर्षाली वापस लौट रही है। मैं मुन्नी को देखने के लिए एक्साइटेड हूं।

हर्षाली करेंगी बालाकृष्ण की बेटी का रोल

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अखंडा 2 में हर्षाली मल्होत्रा, नंदमुरी बालकृष्ण की बेटी के रोल में नजर आएंगी। यह फिल्म साल 2021 में आई इसी नाम की फिल्म का सीक्वल है। इस एक्शन-ड्रामा में प्रज्ञा जायसवाल, नवीना रेड्डी और नितिन मेहता जैसे एक्टर्स नजर आए थे। अखंडा साल 2021 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई वाली तेलुगू फिल्म थी। इसने वर्ल्डवाइड 121-150 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। उम्मीद है कि अखंडा 2 भी वैसा ही कमाल दिखाएगी।

अब विक्रांत ने किया दीपिका का समर्थन

बोले- वो इसकी हकदार

दीपिका पादुकोण के आठ घंटे काम करने की मांग के बाद इंडस्ट्री में एक बहस छिड़ गई है। दीपिका ने अपनी इसी शर्त के चलते संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' फिल्म भी छोड़ दी थी। इसके बाद इंडस्ट्री के कई लोगों ने दीपिका का समर्थन भी किया था। अब इसी लिस्ट में एक और नाम भी जुड़ गया है। अभिनेता विक्रांत मैसी ने भी दीपिका के आठ घंटे काम करने की मांग का समर्थन किया है।

ये एक ऑप्शन होना चाहिए

बातचीत के दौरान विक्रांत ने दीपिका का समर्थन करते हुए कहा कि वह भी कुछ साल में ऐसा ही करना चाहते हैं। एक्टर ने कहा, मैं बहुत जल्द ऐसा कुछ करने की इच्छा रखता हूं। मैं कहना चाहता हूं कि हम सहयोग कर सकते हैं, लेकिन मैं केवल आठ घंटे काम करूंगा। लेकिन साथ ही यह एक ऑप्शन होना चाहिए कि अगर मेरा प्रोड्यूसर इसे स्वीकार नहीं कर सकता। क्योंकि जब आप फिल्म बना रहे होते हैं तो इसमें बहुत सी और चीजें भी शामिल होती हैं।

अपनी फीस कम करने को तैयार विक्रांत

अभिनेता ने आगे कहा कि वो आठ घंटे काम करने के बदले अपनी फीस कम करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पैसा बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और मुझे अपनी फीस कम करनी होगी क्योंकि मैं बारह घंटे के बजाय आठ घंटे काम करूंगा। अगर मैं अपने प्रोड्यूसर को दिन में बारह घंटे नहीं दे सकता, तो मैं वहां जाकर अपनी फीस कम नहीं कर सकता। मुझे अपनी फीस कम करनी चाहिए। यह एक लेन-देन वाली बात है। दीपिका का समर्थन करते हुए विक्रांत ने कहा कि दीपिका हाल ही में मां बनी हैं, इसलिए मुझे लगता है कि वह इसकी हकदार हैं।

'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आएंगे विक्रांत

विक्रांत मैसी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ शनाया कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी, जो इस फिल्म से अपना डेब्यू कर रही हैं। संतोष सिंह द्वारा निर्देशित यह फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सबक था द ट्रेटर्स

हमेशा चर्चा में रहने वाला रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' खत्म हो चुका है और फिनाले में उर्फी जावेद ने अपनी शानदार गेम से सबका दिल जीतते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली। जीत के बाद उर्फी ने सोशल मीडिया पर अपनी बिग बॉस से लेकर द ट्रेटर्स तक की जर्नी को याद किया। उर्फी ने लिखा - बिग बॉस से निकलने के बाद द ट्रेटर्स जीतना, ये सफर आसान नहीं था। कई बार रोई, कई बार लगा अब नहीं होगा, लेकिन मैंने कभी रुकना नहीं सीखा। लोग क्या कहेंगे, ये कभी नहीं सोचा। उन्होंने आगे लिखा बिग बॉस के बाद लगा था अब कुछ अच्छा नहीं होगा। लेकिन मैंने खुद पर भरोसा रखा। लोग हमेशा शक करते रहे, आज भी करते हैं, लेकिन इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा। मैंने तीन ट्रेटर्स को बाहर किया, ये सिर्फ किस्मत नहीं थी, ये मेरी स्ट्रैटेजी थी। आखिरी पल तक डटी रही। द ट्रेटर्स में उर्फी जावेद ने अपने बेबाक अंदाज़ और आत्मविश्वास से सबका दिल जीत लिया। उन्होंने ये गेम अपने तरीके से खेला और अपनी मेहनत से जीत हासिल की।

एक्टिंग करना आज भी मेरे लिए चुनौतीपूर्ण

लोकप्रिय टीवी शो भाबीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी के किरदार से मशहूर अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने बताया है कि कई सालों तक कैमरे के सामने काम करने के बाद भी, उनके लिए एक्टिंग करना अभी भी एक चुनौती जैसा लगता है। शुभांगी अत्रे ने कहा कि हर नया किरदार उनके लिए नई चुनौतियां और सीख लेकर आता है, जिससे अभिनय जितना दिलचस्प लगने लगता है, उतना ही मुश्किल वाला एहसास भी देता है। उन्होंने कहा, मुझे संघर्ष शब्द थोड़ा नेगेटिव लगता है, लेकिन अभिनय में हर समय हम आगे बढ़ते रहते हैं। कई साल काम करने के बाद भी कुछ न कुछ नया सीखना पड़ता है। यह सफर कभी खत्म नहीं होता, बल्कि समय के साथ और भी खास बनता जाता है। मुझे एक्टिंग कभी आसान नहीं लगती क्योंकि हर किरदार के अपने अलग भाव होते हैं। आप किसी और की जिंदगी में कदम रखते हो, और इसके लिए बहुत ईमानदारी और मेहनत करनी पड़ती है। लंबे शूटिंग और थकावट की स्थिति में वह खुद को किस तरह प्रेरित करती हैं, इस पर शुभांगी ने कहा, मैं खुद को याद दिलाती रहती हूं कि मैंने यह काम क्यों शुरू किया था। मुझे सच में अपने काम से बहुत प्यार है और जब दिन मुश्किल होते हैं, तो मैं छोटी-छोटी अच्छी बातों में खुशी ढूंढती हूं, जैसे कोई जबरदस्त डायलॉग या बेहतरीन सीन। यही चीजें मुझे आगे बढ़ने में मदद करती हैं। शुभांगी ने सोशल मीडिया और फीडबैक के बारे में बात करते हुए कहा कि आजकल की भागदौड़ वाली दुनिया में दर्शकों की प्रतिक्रिया कभी-कभी प्रेरित करती है और कभी-कभी ज्यादा दबाव भी बना देती है। उन्होंने कहा, दर्शकों का प्यार ऐसा होता है जैसे फ्यूल, जो आपको आगे बढ़ने में मदद करता है। लेकिन मैं कोशिश करती हूं कि इस दबाव में न आऊं। मैं जो भी किरदार निभाती हूं, पूरी ईमानदारी से करती हूं, ताकि कहानी में वास्तविकता बनी रहे।

शुभांगी अत्रे ने टीवी पर कहानी कहने के बदलते तरीके पर भी अपनी बात बताई। उन्होंने कहा कि आजकल के ज्यादातर टीवी शो असल जिंदगी से प्रेरित हैं, जिससे कलाकारों को ज्यादा गहराई वाले किरदार निभाने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा, टीवी पर कहानी कहने का बदलाव कलाकारों के लिए एक नया अध्याय जैसा है। अब किरदार जटिल और असली होते हैं। मुझे अच्छा लगता है जब मैं किसी भी किरदार के अलग-अलग पहलू दिखा पाती हूं। यह सब नया और बहुत मजेदार होता है।

अगस्त में शुरू होगा सिद्धार्थ की वन... का दूसरा शूटिंग शेड्यूल

डायरेक्टर दीपक कुमार मिश्रा, जिन्होंने हाल ही में पंचायत 4 से बड़ी सफलता हासिल की है, अब अपनी पहली फीचर फिल्म वन पर काम कर रहे हैं। यह एक लोक-थ्रिलर फिल्म है, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फीवर मिलकर कर रहे हैं, जो इन दोनों दिग्गज प्रोडक्शन हाउस का पहला साझा प्रोजेक्ट है। इस फिल्म की कहानी भारतीय लोक कथाओं और जंगलों की पृष्ठभूमि पर बेस्ड है, जिसे रियलिस्टिक दिखाने के लिए मध्य भारत के असली जंगलों में शूट किया जा रहा है। फिल्म का पहला शेड्यूल 9 जून से शुरू हुआ और सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। दूसरा शेड्यूल अगस्त में शुरू होगा। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि सिद्धार्थ और तमन्ना अपनी इस आगामी फिल्म में पहली बार साथ नजर आएंगे, वहीं दीपक की भी यह इन दोनों कलाकारों के साथ पहली ही फिल्म है। वर्कफ्रंट की बात करें तो सिद्धार्थ पिछली बार एक्शन थ्रिलर फिल्म योद्धा में नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन सागर अम्बे और पुष्कर ओझा ने किया था। फिल्म में सिद्धार्थ के अलावा तमन्ना भाटिया भी लीड रोल में नजर आएंगी।

'ऐसी एक्शन फिल्म करनी थी जिसमें कहानी अहम हो'

हाल ही में राजकुमार राव अपनी फिल्म 'मालिक' के प्रमोशन के लिए लखनऊ पहुंचे। फिल्म 'मालिक' में क्या खास बात लगी? इस फिल्म के किरदार के लिए क्या तैयारियां कीं? और अपने करियर में अब तक निभाए गए किरदारों पर क्या कहना है राजकुमार राव का? जानिए।

एक्शन जॉनर में देरी से आने की वजह

'मालिक' राजकुमार राव के करियर की पहली फिल्म होगी, जिसमें वह पूरी तरह से एक्शन अंदाज में नजर आ रहे हैं। मगर इस जॉनर में आने के लिए इतनी देरी क्यों हुई? यह सवाल पूछने पर राजकुमार राव कहते हैं, 'मुझे पहले भी एक्शन स्टोरी ऑफर हुईं, मगर उन कहानियों में कहानी मौजूद नहीं थी, बस एक्शन था। लेकिन मुझे ऐसी एक्शन फिल्म करनी थी, जिसमें कहानी अहम हो। जब पुल्कित ने मुझे 'मालिक' की कहानी सुनाई तो अच्छी लगी, इसमें कहानी है, एक्शन है और कमाल के डायलॉग भी हैं। इस फिल्म की कहानी मेरे दिल को छू गई।'

करियर कभी प्लान नहीं किया था

राजकुमार राव के करियर ग्राफ पर अगर नजर डालें तो वह अलग-अलग जॉनर में रंग जमा चुके हैं। उन्होंने 'सिटी लाइट्स' से लेकर 'स्त्री' फिल्म तक में अभिनय के अलग रंग दिखाए। क्या राजकुमार ने अपना करियर इसी तरह से प्लान किया था? इस सवाल पर वह कहते हैं, 'मैं अपना करियर प्लान करके नहीं आया था। मगर यह सब अपने आप होता गया। पहले 'ट्रैप', 'न्यूटन', 'शाहिद', 'एलएसडी' जैसी फिल्में कीं, इसके बाद 'बरेली की बर्फी' और 'स्त्री' और 'भूल चूक माफ' जैसी फिल्में कीं। अब 'मालिक' में एक्शन कर रहा हूं। यह सभी अलग-अलग जॉनर की फिल्में थीं। मेरा मकसद बस एक्साइटिंग कहानियां का हिस्सा बनना है। ऐसी कहानियों की तलाश है, जो मुझे बतौर एक्टर चैलेंज करें, संतुष्टि दें।'

कब रिलीज होगी फिल्म 'मालिक'

फिल्म 'मालिक' को पुल्कित ने निर्देशित किया है। इस डायरेक्टर के साथ पहले भी राजकुमार राव 'बोस डेड/अलाइव' कर चुके हैं। राजकुमार राव की फिल्म 'मालिक' 11 जुलाई को रिलीज होगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।